मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
03 अप्रैल, 2023

नवनियुक्त शैक्षणिक परामर्शदाताओं के लिए अभिमुखीकरण का कार्यक्रम आयोजित

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में नवनियुक्त शैक्षणिक परामर्शदाताओं के लिए सोमवार दिनांक 03 अप्रैल, 2023 को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में अभिमुखीकरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर कुलसचिव श्री विनय कुमार ने विश्वविद्यालय की कार्य प्रणाली के बारे में विस्तार से बताया। धन्यवाद ज्ञापन निदेशक कृषि विज्ञान प्रो0 पी0पी0 दुबे ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने नवनियुक्त शैक्षणिक परामर्शदाताओं को पुष्प की पंखुड़ियां भेंट की। समारोह में विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षकगण आदि उपस्थित रहे।

मुक्त चिन्तन

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी एवं मंचासीन माननीय अतिथि

विश्वविद्यालय के बारे में बताते हुए कुलसचिव श्री विनय कुमार

कार्यक्रम में उपस्थित नवनियुक्त शैक्षणिक परामर्शदातागण एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

नवनियुक्त शैक्षणिक परामर्शदाताओं एवं विश्वविद्यालय के अधिकारी तथा निदेशकगणों को पुष्प की पंखुड़ियां भेंट करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

नवनियुक्त शैक्षणिक परामर्शदाताओं एवं विश्वविद्यालय के अधिकारी तथा निदेशकगणों को पुष्प की पंखुड़ियां भेंट करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को पुष्प की पंखुड़ियां भेंट कर उनका स्वागत करते हुए कुलसचिव श्री विनय कुमार

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को रुद्राक्ष का पौधा एवं पुस्तक भेंट करते हुए शैक्षणिक परामर्शदाता

सभी शिक्षक शोध पत्र तैयार करें – प्रोफेसर सीमा सिंह

मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

इस अवसर पर मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रारंभ करने जा रहा है जिसमें स्व अध्ययन सामग्री के निर्माण में शिक्षकों का पूर्ण सहयोग अत्यन्त आवश्यक है। स्व अध्ययन सामग्री लेखन में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी शिक्षकों का आह्वान किया कि वह अपनी सकारात्मक ऊर्जा का उपयोग विश्वविद्यालय की बेहतरी के लिए करें।

विश्वविद्यालय के पास संसाधन सीमित हैं। उन्हें इसी संसाधनों में बेहतर करके दिखाना है। उन्होंने सभी शिक्षकों से कहा कि वह शोध पत्र तैयार करें। अपने विषय पर ध्यान दें तथा छात्रों की काउंसलिंग में उनकी समस्याओं का समाधान करें। यह अत्यंत सुखद संयोग है कि विश्वविद्यालय इस वर्ष अपना रजत जयंती वर्ष भी मना रहा है।

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को पुस्तक भेंट करते हुए शैक्षणिक परामर्शदाता प्रो0 एच.एस. उपाध्याय

अपने–अपने विचार व्यक्त करते हुए शैक्षणिक परामर्शदातागण

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 पी0 पी0 दुबे

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

राष्ट्रगान

पौधा रोपण करती हुई मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
उ0 प्र0
प्रयागराज
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

नवनियुक्त प्राध्यापकों के लिए अभिमुखीकरण का कार्यक्रम आयोजित

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने नवनियुक्त प्राध्यापकों के लिए सोमवार दिनांक 03 अप्रैल, 2023 को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में अभिमुखीकरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।
इस अवसर पर विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चित प्रकोष्ठ सीका के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता ने विश्वविद्यालय की कार्य प्रणाली से अवगत कराया। धन्यवाद ज्ञापन परीक्षा नियंत्रक श्री डी पी सिंह ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने नवनियुक्त सहायक आचार्यों संविदा को पुष्प की पंखुड़ियां भेंट की। समारोह में प्रोफेसर पी पी दुबे, प्रोफेसर जी एस शुक्ल, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर पी. के. पाण्डेय, डॉ दिनेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी एवं मंचासीन माननीय अतिथि

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को पुष्प की पंखुड़ियां भेंट कर उनका स्वागत करते हुए परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह

सीका निदेशक प्रो0 आशुतोष गुप्ता को पुष्प की पंखुड़ियां भेंट कर उनका स्वागत करते हुए परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह

परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह को पुष्प की पंखुड़ियां भेंट करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चित प्रकोष्ठ सीका के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र संपूर्ण उत्तर प्रदेश में है। प्रदेश भर में गोरखपुर से ललितपुर तथा बागपत से बलिया तक इसके अध्ययन केंद्र फैले हुए हैं। विश्वविद्यालय की त्रिस्तरीय संरचना है। जिसमें मुख्यालय, क्षेत्रीय केंद्र और अध्ययन केंद्र समाहित हैं। उन्होंने शिक्षकों का आह्वान किया कि वे शोध को बढ़ावा देने के लिए नवाचारी व्यवहार पर विशेष ध्यान दें।

कार्यक्रम में उपस्थित नवनियुक्त सहायक आचार्यों संविदा एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

अपना परिचय देते हुए नवनियुक्त सहायक आचार्यों संविदा एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

नवनियुक्त सहायक आचार्यों संविदा को पुष्प की पंखुड़ियां भेंट करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

स्व अध्ययन सामग्री के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण : प्रोफेसर सीमा सिंह

मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

इस अवसर पर मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रारंभ करने जा रहा है जिसमें स्व अध्ययन सामग्री के निर्माण में शिक्षकों का पूर्ण सहयोग अत्यन्त आवश्यक है। स्व अध्ययन सामग्री लेखन में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी शिक्षकों का आह्वान किया कि वह अपनी सकारात्मक ऊर्जा का उपयोग विश्वविद्यालय की बेहतरी के लिए करें।

विश्वविद्यालय के पास संसाधन सीमित हैं। उन्हें इसी संसाधनों में बेहतर करके दिखाना है। उन्होंने सभी शिक्षकों से कहा कि वह शोध पत्र तैयार करें। अपने विषय पर ध्यान दें तथा छात्रों की काउंसलिंग में उनकी समस्याओं का समाधान करें। यह अत्यंत सुखद संयोग है कि विश्वविद्यालय इस वर्ष अपना रजत जयंती वर्ष भी मना रहा है।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए परीक्षा नियंत्रक श्री डी0पी0 सिंह

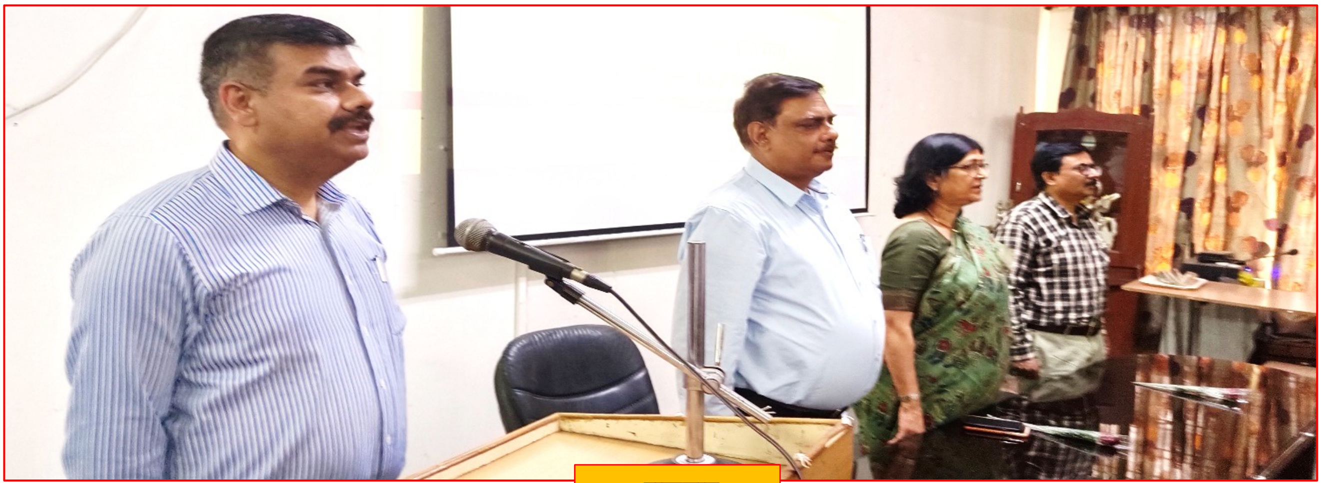

राष्ट्रगान

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

13 अप्रैल, 2023

माननीया कुलपति जी के कार्यकाल दो वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय परिवार ने दी बधाई

आज दिनांक 13 अप्रैल, 2023 को विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्राफेसर सीमा सिंह जी के कुलपति पद के दायित्व के सफलतापूर्वक दो वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय परिवार ने बधाई दी। इस अवसर पर मा0 कुलपति जी ने विश्वविद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के सहयोग से ही यह विश्वविद्यालय निरन्तर प्रगति कर रहा है।

माननीया कुलपति प्राफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनको बधाई देते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्त चिन्तन

माननीया कुलपति प्राफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनको बधाई देते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्त चिन्तन

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी वाता करते हुए सीएसजेएम विश्वविद्यालय कानपुर,बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी एवं यूपीआरटीओयू के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे0 वी0 वैशम्पायन जी तथा साथ में विद्याशाख के प्रो0 रे0पी0 यादव

माननीया कुलपति प्राफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनको बधाई देते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्त चिन्तन

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी वार्ता करते हुए बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी एवं यूपीआरटीओयू के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे0 वी0 वैशम्पायन जी व महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी एवं यूपीआरटीओयू के पूर्व कुलपति डॉ0 पृथ्वीश नाग जी

विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी श्री शिवानंद जी महाराज, श्री शिवानंद आश्रम, कबीर नगर, वाराणसी के विश्वविद्यालय आगमन पर उनसे शिष्टाचार भेंट करती हुई जीविश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह जी, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी एवं यूपीआरटीओयू के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे0 वी0 वैशम्पायन जी व महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी एवं यूपीआरटीओयू के पूर्व कुलपति डॉ0 पृथ्वीश नाग जी, डॉ ललिता प्रदीप जी, श्री यू0के0सिंह जी, वि0वि0 के पमव कुलसचिव डॉ0 ए0के0 सिंह, निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा प्रो0 पी0पी0 दुबे एवं कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

कुछ अन्य झलकियां

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
13 अप्रैल, 2023

क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयकों की समीक्षा बैठक

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

आज दिनांक 13 अप्रैल, 2023 को पूर्वान्ह 11.00 बजे विश्वविद्यालय के समस्त क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयकों की समीक्षा बैठक विश्वविद्यालय मुख्यालय प्रयागराज पर आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी की।

बैठक के प्रारम्भ में मा0 कुलपति जी ने कुलसचिव एवं मेरठ क्षेत्रीय केन्द्र के नवनियुक्त क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी को बधाई दी।

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने समीक्षा बैठक में समस्त क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयकों से कहा कि केन्द्रों पर आने वाले छात्रों को उचित परामर्श दिया जाये। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को आगामी सत्र से प्रारम्भ किये जाने तथा स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार रोजगार एवं कौशल विकास पर आधारित शैक्षिक कार्यक्रमों को छात्रों के बीच ले जाने पर जोर दिया जाये। कुलपति जी ने क्षेत्रीय समन्वयकों से कहा कि वे केन्द्रों पर निबन्ध प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आदि आयोजित करायें और मेधावी छात्रों को सम्मानित करते हुए उनका उत्साहवर्धन करें।

इस अवसर पर कुलपति पद के दायित्व के सफलतापूर्वक दो वर्ष पूर्ण होने पर समस्त क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयकों ने मा0 कुलपति जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी। इस अवसर पर मा0 कुलपति जी ने विश्वविद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के सहयोग से ही यह विश्वविद्यालय निरन्तर प्रगति कर रहा है। बैठक में माननीया कुलपति जी के ओ.एस.डी., परीक्षा नियंत्रक, वित्त अधिकारी, कुलसचिव एवं समस्त क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयकगण उपस्थित रहे।

बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति प्राफेसर सीमा सिंह जी एवं उपस्थित क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक एवं अधिकारीगण विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्त चिन्तन

बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति प्राफेसर सीमा सिंह जी एवं उपस्थित क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक एवं अधिकारीगण विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

माननीया कुलपति प्राफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनको बधाई देते हुए विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक एवं कुलसचिव

राष्ट्रीय सहारा
लखनऊ
बृहस्पतिवार • 13 अप्रैल • 2023

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पुरातन छात्र सम्मेलन आज

प्रयागराज। उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, में बृहस्पतिवार को पुरातन छात्र सम्मेलन का वृहद आयोजन किया जा रहा है। रजत जयंती वर्ष में आयोजित हो रहे इस सम्मेलन में विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र अपनी खट्टी मीठी यादों को साझा करेंगे। पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डा. ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में दोपहर दो बजे सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी शिवानंद जी महाराज, श्री शिवानंद आश्रम, कबीर नगर, वाराणसी करेंगे। सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी। इस अवसर पर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पृथ्वीश नाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे वी वैशम्पायन, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। मीडिया प्रभारी डा. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष में आयोजित पुरातन छात्र सम्मेलन के आयोजन से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पुरातन छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किये जायेगें।

प्रयाग प्रभात
UPHIN/2009/42612
प्रयागराज, गुरुवार, 13 अप्रैल, 2023

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पुरातन छात्र सम्मेलन आज

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज 12/04/2023 उ प्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को पुरातन छात्र सम्मेलन का वृहद आयोजन किया जा रहा है। रजत जयंती वर्ष में आयोजित हो रहे इस सम्मेलन में विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र अपनी खट्टी मीठी यादों को साझा करेंगे। पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में दोपहर 2रू00 बजे सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी श्री शिवानंद जी महाराज,शिवानंद आश्रम,कबीर नगर, वाराणसी करेंगे। योग के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त कर चुके 127 वर्षीय श्री शिवानंद तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ गोविंद के कर कमलों से पद्मश्री सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि पुरातन छात्र सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी। इस अवसर पर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ,वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पृथ्वीश नाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय,झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे वी वैशम्पायन, जयप्रकाश विश्वविद्यालय,छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह विशिष्ट पुरातन छात्रों का सम्मान करेंगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष में आयोजित पुरातन छात्र सम्मेलन के आयोजन से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस अवसर पर पुरातन छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तिजारत
www.tijaratnews.com

मुविवि पुरातन छात्र सम्मेलन का उद्घाटन पद्मश्री शिवानंद महाराज करेंगे आज

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में बृहस्पतिवार 13 अप्रैल को पुरातन छात्र सम्मेलन का वृहद आयोजन किया जा रहा है। रजत जयंती वर्ष में आयोजित हो रहे इस सम्मेलन में विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र अपनी खट्टी मीठी यादों को साझा करेंगे।

पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया किगुरुवार को विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में दोपहर दो बजे सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी शिवानंद महाराज, शिवानंद आश्रम, कबीर नगर, वाराणसी करेंगे। योग के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त कर चुके 127 वर्षीय शिवानंद तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ गोविंद के कर कमलों से पद्मश्री सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि पुरातन छात्र सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह करेंगी। इस अवसर पर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रोफ़ेसर पृथ्वीश नाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफ़ेसर जे वी वैशम्पायन, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफ़ेसर हरिकेश सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह विशिष्ट पुरातन छात्रों का सम्मान करेंगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष में आयोजित पुरातन छात्र सम्मेलन के आयोजन से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस अवसर पर पुरातन छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

स्वतंत्र भारत
लखनऊ, गुरूवार 13 अप्रैल 2023

मुक्त विश्वविद्यालय में पुरातन छात्र सम्मेलन आज
वयोवृद्ध संत पद्मश्री शिवानंद महाराज करेंगे उद्घाटन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो प्रयागराज। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को पुरातन छात्र सम्मेलन का वृहद आयोजन किया जा रहा है। रजत जयंती वर्ष में आयोजित हो रहे इस सम्मेलन में विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र अपनी खट्टी मीठी यादों को साझा करेंगे। पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में दोपहर 2 बजे सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी शिवानंदजी महाराज करेंगे। योग के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त कर चुके 127 वर्षीय श्री शिवानंद तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ गोविंद ने पद्मश्री सम्मान प्राप्त कर चुके है। उन्होंने बताया कि पुरातन छात्र सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी। इस अवसर पर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पृथ्वीश नाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे वी वैशम्पायन, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह विशिष्ट पुरातन छात्रों का सम्मान करेंगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष में आयोजित पुरातन छात्र सम्मेलन के आयोजन से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

JEEVAN EXPRESS

PRAYAGRAJ THURSDAY, 13 APRIL 2023

Alumni Meet to held at UPRTOU, today

PRAYAGRAJ: Alumni Meet is being organized on Thursday at UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj. In this meet being organized in the silver jubilee year, the alumni of the university will share their memories related to the university. While giving the information, President of Puratan Chhatra Parishad, Dr. Gyan Prakash Yadav said that the Alumni Meet will be inaugurated by the Chief Guest Veteran Saint Padmashree Mahayogi Shivanand Ji Maharaj, Shri Shivanand Ashram, Kabir Nagar, Varanasi. He told that Vice Chancellor Professor Seema Singh will preside over the meet. Cultural programs will also be organized by the alumni.

पावन प्रयाग

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पुरातन छात्र सम्मेलन आज

वयोवृद्ध संत पद्मश्री शिवानंद जी महाराज करेंगे उद्‌घाटन

पावन प्रयाग संवाददाता

प्रयागराज। उ प्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में बृहस्पतिवार को पुरातन छात्र सम्मेलन का वृहद आयोजन किया जा रहा है। रजत जयंती वर्ष में आयोजित हो रहे इस सम्मेलन में विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र अपनी खट्टी मीठी यादों को साझा करेंगे।पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में दोपहर 2:00 बजे सम्मेलन का उद्‌घाटन मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी श्री शिवानंद जी महाराज, श्री शिवानंद आश्रम, कबीर नगर, वाराणसी करेंगे। योग के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त कर चुके 127 वर्षीय श्री शिवानंद तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ गोविंद के कर कमलों से पद्मश्री सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि पुरातन छात्र सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी। इस अवसर पर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पृथ्वीश नाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे वी वैशम्पायन, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह विशिष्ट पुरातन छात्रों का सम्मान करेंगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष में आयोजित पुरातन छात्र सम्मेलन के आयोजन से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस अवसर पर पुरातन छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

प्रयागराज, मंगलवार 11 अप्रैल, 2023

राजर्षि टंडन मुविवि में पुरातन छात्र सम्मेलन आज

वयोवृद्ध संत पद्मश्री शिवानंद महाराज करेंगे उद्घाटन

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

प्रयागराज। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 13 अप्रैल को पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। रजत जयंती वर्ष में आयोजित हो रहे इस सम्मेलन में विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र अपनी खट्टी मीठी यादों को साझा करेंगे।

यह जानकारी पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में दोपहर 2 बजे सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी शिवानंद महाराज, कबीर नगर, वाराणसी करेंगे। योग के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त कर चुके 127 वर्षीय शिवानंद तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ गोविंद के कर कमलों से पद्मश्री सम्मान प्राप्त कर चुके हैं।

उन्होंने बताया कि पुरातन छात्र सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी। इस अवसर पर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पृथ्वीश नाग, बुंदेलखंड विवि, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे वी वैशम्पायन, जयप्रकाश विवि, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह विशिष्ट पुरातन छात्रों का सम्मान करेंगी। उन्होंने बताया कि पुरातन छात्र सम्मेलन के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस अवसर पर पुरातन छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

इलाहाबाद एक्सप्रेस

राजर्षि टण्डन मुक्त विवि में पुरातन छात्र सम्मेलन आज

प्रयागराज। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 13 अप्रैल को पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। रजत जयंती वर्ष में आयोजित हो रहे इस सम्मेलन में विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र अपनी खट्टी मीठी यादों को साझा करेंगे।

यह जानकारी पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में दोपहर 2 बजे सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी शिवानंद महाराज, कबीर नगर, वाराणसी करेंगे। योग के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त कर चुके 127 वर्षीय शिवानंद तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ गोविंद के कर कमलों से पद्मश्री सम्मान प्राप्त कर चुके हैं।

उन्होंने बताया कि पुरातन छात्र सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी।

हरबात

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पुरातन छात्र सम्मेलन आज

वयोवृद्ध संत पद्मश्री शिवानंद जी महाराज करेंगे उद्‌घाटन

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उ प्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में बृहस्पतिवार को पुरातन छात्र सम्मेलन का वृहद आयोजन किया जा रहा है। रजत जयंती वर्ष में आयोजित हो रहे इस सम्मेलन में विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र अपनी खट्टी मीठी यादों को साझा करेंगे।पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में दोपहर 2:00 बजे सम्मेलन का उद्‌घाटन मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी श्री शिवानंद जी महाराज, श्री शिवानंद आश्रम, कबीर नगर, वाराणसी करेंगे। योग के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त कर चुके 127 वर्षीय श्री शिवानंद तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ गोविंद के कर कमलों से पद्मश्री सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि पुरातन छात्र सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी। इस अवसर पर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पृथ्वीश नाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे वी वैशम्पायन, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह विशिष्ट पुरातन छात्रों का सम्मान करेंगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष में आयोजित पुरातन छात्र सम्मेलन के आयोजन से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस अवसर पर पुरातन छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा ।

समय से पहले 'समय' पर नजर — न्यायाधीश

प्रयागराज, गुरूवार 13 अप्रैल, 2023

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पुरातन छात्र सम्मेलन आज

वयोवृद्ध संत पद्मश्री शिवानंद जी महाराज करेंगे उद्‌घाटन

प्रयागराज।उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में बृहस्पतिवार को पुरातन छात्र सम्मेलन का वृहद आयोजन किया जा रहा है।रजत जयंती वर्ष में आयोजित हो रहे इस सम्मेलन में विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र अपनी खट्टी मीठी यादों को साझा करेंगे।पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में दोपहर 2:00 बजे सम्मेलन का उद्‌घाटन मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी शिवानंद जी महाराज, शिवानंद आश्रम, कबीर नगर, वाराणसी करेंगे। योग के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त कर चुके 127 वर्षीय शिवानंद तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ गोविंद के कर कमलों से पद्मश्री सम्मान प्राप्त कर चुके हैं।उन्होंने बताया कि पुरातन छात्र सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी। इस अवसर पर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पृथ्वीश नाग बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे वी वैशम्पायन, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह विशिष्ट पुरातन छात्रों का सम्मान करेंगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष में आयोजित पुरातन छात्र सम्मेलन के आयोजन से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस अवसर पर पुरातन छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

हाईकोर्ट : ऑनर किलिंग समाज पर कलंक, किसी को जीवन छीनने का हक नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बेटी की हत्या के आरोपी पिता को जमानत देने से इन्कार कर दिया है। कहा कि ऑनर किलिंग समाज पर कलंक है। संविधान जीवन का अधिकार देता है। किसी को भी जीवन छीनने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने कहा झूठी शान के लिए कत्ल बर्बर एवं असभ्य कृत्य है। अपनी इच्छा के विरुद्ध कार्य को बर्दाश्त न कर हत्या करना कायरता है। कोर्ट ने कहा, याची की बेटी ने अपनी मर्जी से शादी की थी। उसने घूंघट उठा कर पहचान की और उसके बेटे ने ताबड़तोड़ चाकू से प्रहार कर हत्या कर दी। हत्या में शामिल चार आरोपियों को तीन चश्मदीद गवाहों ने देखा है। बर्बर हत्या एक संगीन अपराध है। ऐसे आरोपी को राहत पाने का हक नहीं है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने बरहज, बदायूं के सत्यनारायण उर्फ सत्तन की जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए दिया है।

सहजसत्ता

www.sahajsatta.in | facebook.com/sahajsatta.allahabad

वर्ष-15 अंक-295 | पृष्ठ-8 | प्रयागराज | गुरूवार, 13 अप्रैल, 2023

सत्य की सत्ता को समर्पित

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में पुरातन छात्र सम्मेलन आज

वयोवृद्ध संत पद्मश्री शिवानंद महाराज करेंगे उद्‌घाटन

प्रयागराज। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 13 अप्रैल को पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। रजत जयंती वर्ष में आयोजित हो रहे इस सम्मेलन में विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र अपनी खट्टी मीठी यादों को साझा करेंगे। यह जानकारी पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में दोपहर 2 बजे सम्मेलन का उद्‌घाटन मुख्य अतिथि वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी शिवानंद महाराज, कबीर नगर, वाराणसी करेंगे। योग के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त कर चुके 127 वर्षीय शिवानंद तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ गोविंद के कर कमलों से पद्मश्री सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि पुरातन छात्र सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी। इस अवसर पर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पृथ्वीश नाग, बुंदेलखंड विवि, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे वी वैशम्पायन, जयप्रकाश विवि, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह विशिष्ट पुरातन छात्रों का सम्मान करेंगी। उन्होंने बताया कि पुरातन छात्र सम्मेलन के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस अवसर पर पुरातन छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

सहज स्वरूप

राष्ट्रीय एकता के प्रति पूर्ण समर्पित

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पुरातन छात्र सम्मेलन आज

वयोवृद्ध संत पद्मश्री शिवानंद जी महाराज करेंगे उद्‌घाटन

सहज स्वरूप समाचार ।

प्रयागराज। उ प्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में बृहस्पतिवार को पुरातन छात्र सम्मेलन का वृहद आयोजन किया जा रहा है। रजत जयंती वर्ष में आयोजित हो रहे इस सम्मेलन में विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र अपनी खट्टी मीठी यादों को साझा करेंगे। पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में दोपहर 2:00 बजे सम्मेलन का उद्‌घाटन मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी श्री शिवानंद जी महाराज, श्री शिवानंद आश्रम, कबीर नगर, वाराणसी करेंगे। योग के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त कर चुके 127 वर्षीय शिवानंद तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ गोविंद के कर कमलों से पद्मश्री सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि पुरातन छात्र सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी। इस अवसर पर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पृथ्वीश नाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे वी वैशम्पायन, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह विशिष्ट पुरातन छात्रों का सम्मान करेंगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष में आयोजित पुरातन छात्र सम्मेलन के आयोजन से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस अवसर पर पुरातन छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा ।

दैनिक अमृत प्रभात

जनता के साथ जनता की आवाज

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पुरातन छात्र सम्मेलन आज

वयोवृद्ध संत पद्मश्री शिवानंद महाराज करेंगे उद्घाटन

प्रयागराज (नि.सं.)

उ.प्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में बृहस्पतिवार को पुरातन छात्र सम्मेलन का वृहद आयोजन किया जा रहा है। रजत जयंती वर्ष में आयोजित हो रहे इस सम्मेलन में विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र अपनी खट्टी मीठी यादों को साझा करेंगे। पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में दोपहर 2 बजे सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी शिवानंद महाराज, शिवानंद आश्रम, कबीर नगर, वाराणसी करेंगे। योग के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त कर चुके 127 वर्षीय शिवानंद तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ गोविंद के द्वारा पद्मश्री सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि पुरातन छात्र सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी। इस अवसर पर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पृथ्वीश नाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे.वी वैशम्पायन, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह विशिष्ट पुरातन छात्रों का सम्मान करेंगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष में आयोजित पुरातन छात्र सम्मेलन के आयोजन से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस अवसर पर पुरातन छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

मुक्त चिन्तन — 13 अप्रैल, 2023

मुक्त विश्वविद्यालय में पुरातन छात्र सम्मेलन आयोजित

उ0 प्र0 राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में बृहस्पतिवार दिनांक 13 अप्रैल, 2023 को पुरातन छात्र सम्मेलन का वृहद आयोजन किया गया। रजत जयंती वर्ष में आयोजित इस सम्मेलन में विश्वविद्यालय के पुरातन छात्रों के साथ ही पूर्व कुलपतियों ने भी अपनी खट्टी मीठी यादों को साझा किया। विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी श्री शिवानंद जी महाराज, श्री शिवानंद आश्रम, कबीर नगर, वाराणसी ने दीप प्रज्ज्वलन एवं जल संरक्षण के साथ किया। इस अवसर पर उन्होंने मंत्रोच्चारण कर के कार्यक्रम की सफलता के लिए आशीर्वाद दिया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह जी, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति डॉ0 पृथ्वीश नाग जी एवं बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे0 वी0 वैशम्पायन जी रहे। पुरातन छात्र सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

मुक्त चिन्तन

अभिवादन स्वीकार करते हुए मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी श्री शिवानंद जी महाराज

पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डॉ0 सुरेंद्र कुमार ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने कुलपति कार्यालय में कार्यरत श्री इन्दु भूषण पाण्डेय द्वारा संम्पादित पुस्तक विकास यात्रा पुस्तिका का विमोचन भी किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए पुरातन छात्र परिषद के सचिव, डॉ0 सुरेंद्र कुमार

मुक्त चिन्तन

जल संरक्षण
करते हुए मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी श्री शिवानंद जी महाराज, विशिष्ट अतिथि जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह जी, विशिष्ट अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्य

मुक्त चिन्तन

सरस्वती वन्दना

मुक्त चिन्तन

अतिथि स्वागत

मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी श्री शिवानंद जी महाराज को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

विशिष्ट अतिथि जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 दिनेश सिह

विशिष्ट अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे वी वैशम्पायन जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए पुरातन छात्र परिषद के कोषाध्यक्ष डॉ० सतीश चन्द्र जैसल

विशिष्ट अतिथि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति डॉ० पृथ्वीश नाग जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए पुरातन छात्र परिषद के सह–सचिव, डॉ० त्रिविक्रम तिवारी

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई पुरातन छात्र परिषद की उपाध्यक्ष डॉ० मीरा पाल

कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ० ज्ञान प्रकाश यादव को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए (क्रमशः) प्रो० ए०के० मलिक तथा पुरातन छात्र परिषद की सदस्य डॉ० नीता मिश्रा

मुक्त चिन्तन

अतिथियों का स्वागत करते हुए पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ ज्ञान प्रकाश यादव

मुक्त चिन्तन

अतिथि सम्मान

मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी श्री शिवानंद जी महाराज को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

विशिष्ट अतिथि जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह जी, विशिष्ट अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे वी वैशम्पायन जी एवं विशिष्ट अतिथि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति डॉ0 पृथ्वीश नाग जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव, कोषाध्यक्ष, डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल एवं उपाध्यक्ष डॉ0 मीरा पाल

कुलसचिव कर्नल विनय कुमार को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए पुरातन छात्र परिषद अध्यक्ष डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव

मुक्त चिन्तन

विश्वविद्यालय चतुर्दिक दिशा में प्रगति कर रहा है: डॉ0 पृथ्वीश नाग

डॉ0 पृथ्वीश नाग

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति डॉ0 पृथ्वीश नाग ने कहा कि यह पुरा छात्रों के साथ ही पूर्व कुलपतियों का भी सम्मेलन है। जब वह यहां कुलपति थे तब इस विश्वविद्यालय के 500 अध्ययन केंद्र थे जबकि आज यह संख्या बढ़कर 3 गुनी हो गई है। विश्वविद्यालय चतुर्दिक दिशा में प्रगति कर रहा है।

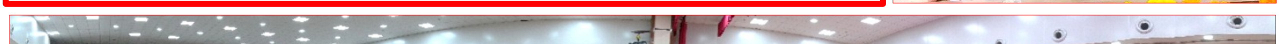

मुक्त चिन्तन

दूरस्थ शिक्षा का एक विशिष्ट स्थान है : प्रोफेसर जे0 वी0 वैशम्पायन

प्रोफेसर जे0 वी0 वैशम्पायन

विशिष्ट अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे0 वी0 वैशम्पायन ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा का एक विशिष्ट स्थान है। शिक्षा केवल नौकरी या कैरियर के लिए ही नहीं बल्कि आत्म संतुष्टि के लिए भी होती है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लोगों को शिक्षा के अवसर प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब वह यहां कुलपति थे तब यहां का फाइलिंग सिस्टम बहुत ही अच्छा था।

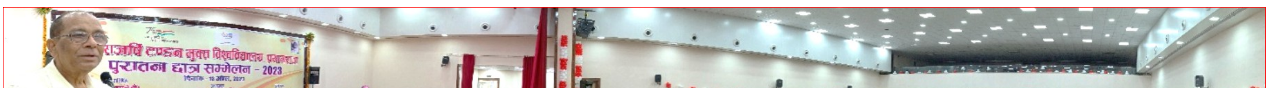

मुक्त चिन्तन

विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र असीमित है : प्रोफेसर हरिकेश सिंह

प्रोफेसर हरिकेश सिंह

विशिष्ट अतिथि जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह ने राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन को स्मरण करते हुए कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र असीमित है। उन्होंने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को कार्यकाल के 2 वर्ष सफलतापूर्वक व्यतीत करने पर शुभकामनाएं दी।

मुक्त चिन्तन

मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी श्री शिवानंद जी महाराज का अभिनन्दन–पत्र पढ़ती हुई पुरातन छात्र परिषद की उपाध्यक्ष डॉ0 मीरा पाल

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University

अभिनन्दन–पत्र

पद्मश्री बाबा शिवानन्द जी

हमारे बीच दो प्रकार के व्यक्तित्व दिखाई देते हैं। एक वे हैं जिनका जीवन काल सापेक्ष होता है, जो हमेशा केवल अपने लौकिक उत्कर्ष को बढ़ाने में ही संलग्न रहते हैं। दूसरे वे लोग हैं जो काल निरपेक्ष हुआ करते हैं, जिनके जीवन में लौकिक उत्कर्ष गौण होता है एवं अलौकिक उत्कर्ष प्रधान। इसी कोटि में आते हैं पद्मश्री बाबा

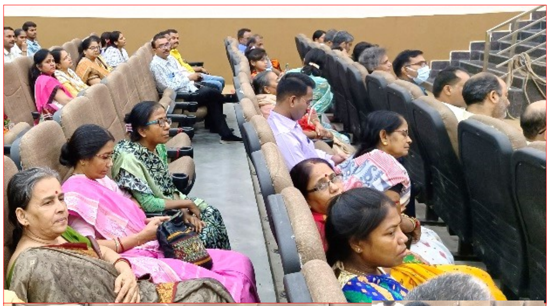

मुक्त चिन्तन

मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी श्री शिवानंद जी महाराज को अभिनन्दन–पत्र भेंट करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी, विशिष्ट अतिथि जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह जी, विशिष्ट अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे वी वैशम्पायन जी एवं विशिष्ट अतिथि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति डॉ0 पृथ्वीश नाग जी

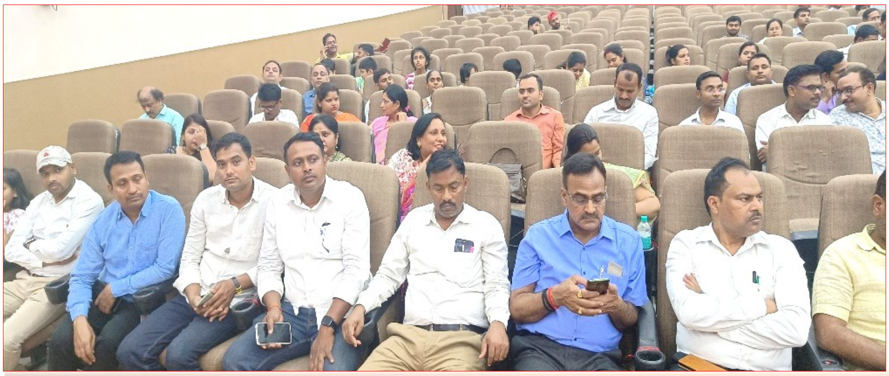

मुक्त चिन्तन

पद्मश्री महायोगी श्री शिवानंद जी महाराज

मुख्य अतिथि विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी श्री शिवानंद जी महाराज ने मंत्रोच्चारण कर के कार्यक्रम की सफलता के लिए आशीर्वाद दिया।

पुरातन छात्रों का सम्मान

पुरातन छात्र सम्मेलन में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने विशिष्ट पुरातन छात्रों प्रसिद्ध न्यूरो सर्जन डॉ कार्तिकेय शर्मा, पूर्व डीआईजी कृपाशंकर सिंह, डॉ धनंजय चोपड़ा, डॉ सुग्रीव सिंह, डॉ ललिता प्रदीप, श्री राघवेंद्र यादव, श्री प्रमोद तिवारी, डॉ सपना चौधरी आदि को सम्मानित करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी, विशिष्ट अतिथि जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह जी, विशिष्ट अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे वी वैशम्पायन जी एवं विशिष्ट अतिथि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति डॉ0 पृथ्वीश नाग जी तथा साथ में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव

पुस्तक का विमोचन

विकास यात्रा पुस्तिका का विमोचन करते हुए माननीय अतिथिगण

पुरातन छात्र सम्मेलन में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने विशिष्ट पुरातन छात्रों प्रसिद्ध न्यूरो सर्जन डॉ कार्तिकेय शर्मा, पूर्व डीआईजी कृपाशंकर सिंह, डॉ धनंजय चोपड़ा, डॉ सुग्रीव सिंह, डॉ ललिता प्रदीप, श्री राघवेंद्र यादव, श्री प्रमोद तिवारी, डॉ सपना चौधरी आदि को सम्मानित किया। इसके साथ ही प्रतिभाग कर रहे सभी पुरातन छात्रों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गये।

द्वितीय सत्र में संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विशिष्ट पुरातन छात्रों ने अपनी यादें साझा की। पुरातन छात्र सम्मेलन के आकर्षण के केंद्र 127 वर्षीय श्री शिवानंद जी महाराज रहे, जिनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए अतिथियों एवं पुरातन छात्रों में होड़ लगी रही। तृतीय सत्र में पुरातन छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

मुक्त चिन्तन

पुरा छात्रों के सहयोग से विश्वविद्यालय काफी आगे बढ़ सकता है : प्रोफेसर सीमा सिंह

प्रोफेसर हरिकेश सिंह

पुरातन छात्र सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने की। प्रोफेसर सिंह ने आज ही अपने कार्यकाल के 2 वर्षों को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पुरा छात्रों के सहयोग से यह विश्वविद्यालय काफी आगे बढ़ सकता है। पुरातन छात्र फूल की तरह हैं जिन्हें पुरातन छात्र परिषद रूपी धागे में पिरोना है। उन्होंने कहा कि रजत जयंती वर्ष में विश्वविद्यालय अपने पुराने छात्रों को सम्मानित करते हुए हर्ष का अनुभव कर रहा है। कहा कि आज विश्वविद्यालय में स्मार्ट लैब तैयार हो गई है। वीडियो रिकॉर्डिंग की जा रही है। मूक्स तैयार कर रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लिए यूजीसी में सभी प्रोग्राम भेज दिए हैं। जुलाई से एन ई पी 2020 के अनुरूप शैक्षणिक कार्यक्रम प्रारंभ किए जाने की योजना है।

मुक्त चिन्तन

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

राष्ट्रगान

मुक्त चिन्तन

द्वितीय सत्र

द्वितीय सत्र में संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विशिष्ट पुरातन छात्रों ने अपनी यादें साझा की।

द्वितीय सत्र में संवाद कार्यक्रम का संचालन करते हुए पुरातन छात्र परिषद के सचिव डॉ0 सुरेन्द्र कुमार

अतिथियों का स्वागत एवं परिचय देते हुए पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ ज्ञान प्रकाश यादव

मुक्त चिन्तन

अपने विचार व्यक्त करती हुई विशिष्ट पुरातन छात्र डॉ0 ललिता प्रदीप

अपने विचार व्यक्त करते हुए विशिष्ट पुरातन छात्र पूर्व डीआईजी कृपाशंकर सिंह

अपने विचार व्यक्त करते हुए विशिष्ट पुरातन छात्र डॉ धनंजय चोपड़ा

मुक्त चिन्तन

श्री राघवेंद्र यादव, श्री प्रमोद तिवारी, डॉ सपना चौधरी, डॉ0 एस0 के0 यादव, विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव डॉ0 ए0 के0 सिंह आदि विशिष्ट पुरातन छात्रों ने अपने विचार व्यक्त किये।

पुरातन छात्र सम्मेलन - 2023

पुरातन छात्रों को सम्मानित करते हुए माननीय अतिथि

पुरातन छात्रों को सम्मानित करते हुए माननीय अतिथि

मननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी का दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर उन्हे बधाई देते हुए पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष एवं सदस्यगण

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

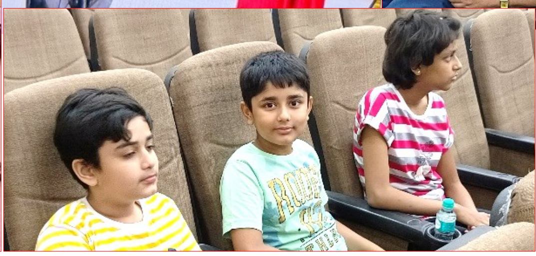

रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए पुरातन छात्र एवं बच्चे

रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए पुरातन छात्रायें

रंगारंग कार्यक्रम

प्रस्तुत करते हुए पुरातन छात्रायें

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
पुरातन छात्र सम्मेलन - 2023
दिनांक - 13 अप्रैल, 2023
प्रोफेसर सीमा सिंह
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले पुरातन छात्र/छात्राओं को स्मृति चिन्ह भेंट करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी, परीक्षा नियंत्रक श्री डी0पी0 सिंह एवं कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले पुरातन छात्र/छात्राओं को स्मृति चिन्ह भेंट करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी, परीक्षा नियंत्रक श्री डी0पी0 सिंह एवं कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

उ0 प्र0 राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

पुराछात्र परिषद के पदाधिकारी

1	डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव	–	अध्यक्ष
2	डॉ0 मीरा पाल	–	उपाध्यक्ष
3	डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल	–	कोषाध्यक्ष
4	डॉ0 सुरेन्द्र कुमार	–	सचिव
5	डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी	–	सह–सचिव
6	डॉ0 सी0के0 सिंह	–	सदस्य
7	डॉ0 नीता मिश्रा	–	सदस्य

प्रयागराज, शुक्रवार
14 अप्रैल, 2023
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 20
दैनिक जागरण
www.jagran.com
दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित
...जट्टा आई वैशाखी
जल, थल व नभ से होगी अयोध्या के श्रीराम मंदिर की निगरानी 11
भगोड़े अमृतपाल की तलाश में राजस्थान में छापेमारी 12
14 अप्रैल, 2023
प्रयागराज जागरण

विश्वविद्यालय के विकास में योगदान दें पुरा छात्र

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ पुरातन छात्र सम्मेलन, साझा किए अनुभव

जासं, प्रयागराज: राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। पुरातन छात्र सम्मेलन में मुख्य अतिथि वयोवृद्ध संत शिवानंद महाराज ने कहाकि पुरातन छात्रों को अपने विश्वविद्यालय के विकास में योगदान देना चाहिए। ऐसा प्रयास करना चाहिए कि उनके अनुभवों का फायदा वर्तमान छात्रों को मिले। सम्मेलन में विश्वविद्यालय के पुरातन छात्रों के साथ ही पूर्व कुलपतियों ने भी पुरानी यादों को साझा किया। कई पुरातन छात्रों को सम्मानित भी किया गया।

पुरातन छात्र सम्मेलन का शुभारंभ शिवानंद आश्रम वाराणसी के विश्व के वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी शिवानंद महाराज ने किया। कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहाकि पुरातन छात्र फूल की तरह हैं जिन्हें पुरातन छात्र परिषद रूपी धागे में पिरोना है। उन्होंने कहाकि आज विश्वविद्यालय में स्मार्ट लैब तैयार हो गई है। वीडियो रिकार्डिंग की जा रही है और मूक्स तैयार कर रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लिए यूजीसी में सभी प्रोग्राम भेज दिए गए हैं। जुलाई से एनईपी के अनुरूप शैक्षणिक कार्यक्रम प्रारंभ करने की योजना है। विशिष्ट अतिथि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रो. पृथ्वीश नाग ने कहाकि यह पुरा छात्रों के साथ ही पूर्व कुलपतियों का भी सम्मेलन है। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी के पूर्व कुलपति प्रो. जेवी वैशम्पायन ने कहाकि दूरस्थ शिक्षा का एक विशिष्ट स्थान है। जयप्रकाश विश्वविद्यालय बिहार के पूर्व कुलपति प्रो. हरिकेश सिंह बोले कि मुवि में दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र असीमित है। न्यूरो सर्जन डा. कार्तिकेय शर्मा, पूर्व डीआइजी कृपाशंकर सिंह, डा. धनंजय चोपड़ा, डा. सुग्रीव सिंह, डा. ललिता प्रदीप, राघवेंद्र यादव, प्रमोद तिवारी, डा. सपना चौधरी आदि को सम्मानित किया गया। पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डा. ज्ञान प्रकाश यादव, डा. सुरेंद्र, कुलसचिव विनय मौजूद रहे।

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित पुरातन छात्र सम्मेलन में स्मारिका का विमोचन करते अतिथि ● सौ. मुवि

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

आधुनिक भारत के निर्माण एवं विकास में डॉ अम्बेडकर का योगदान विषय पर व्याख्यान का आयोजन

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करती हुई माननीया माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में शुक्रवार दिनांक 14 अप्रैल, 2023 को भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर के जन्म दिवस के अवसर पर **आधुनिक भारत के निर्माण एवं विकास में डॉ अम्बेडकर का योगदान** विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रो.पी. एल. विश्वकर्मा, आचार्य (से.नि.) मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग इलाहाबाद विश्वविद्याल, प्रयागराज रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की। इस अवसर पर अतिथियों एवं शिक्षकों ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पण करके उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने इस अवसर पर शैक्षिक आकलन एवं मूल्यांकन पुस्तक का विमोचन किया।

स्वागत भाषण निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा प्रोफेसर संतोषा कुमार द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विनय कुमार जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुनील कुमार सहायक आचार्य, प्राचीन इतिहास, समाज विज्ञान विद्याशाखा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर समाज विज्ञान विद्याशाखा के डॉ. आनन्दा नन्द त्रिपाठी, सह–आचार्य, राजनीति विज्ञान, निदेशक शिक्षा विद्याशाखा, प्रो0 पी0के0 स्टालिन, प्रो0 जे0 पी0 यादव, प्रो0 छत्रसाल सिंह, मा0 कुलपति जी के विशेष कार्याधिकारी डॉ0 दिनेश सिंह, डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल, डॉ.एम.एन.सिंह, डॉ0 आर.जे. मौया, डॉ0 जी0 के0 द्विवेदी, डॉ0 साधना, डॉ. वंदना वर्मा, डॉ. सुभाष चंद्र पाल डॉ. मनोज कुमार, डॉ. योगेश कुमार यादव, सोहनी देवी, डॉ. कामना यादव, श्री राजेश सिंह तथा विभिन्न विद्याशाखाओ के निदेशकगण, आचार्यगण, सह आचार्यगण एवं सहायक आचार्यगण साथ ही विभिन्न विद्याशाखाओं के शोध छात्र एवं कर्मचारी गण आदि उपस्थित थे।

भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए माननीय अतिथिगण

कार्यक्रम का संचालन करते हुए आयोजन सचिव डॉ सुनील कुमार

कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

माननीय अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम निदेशक प्रो0 एस0 कुमार

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी एवं प्राचार्य श्रीराम तिलक कालेज ऑफ एजूकेशन, जहानाबाद, बिहार द्वारा सम्पादित पुस्तक का विमोचन करते हुए माननीय अतिथिगण

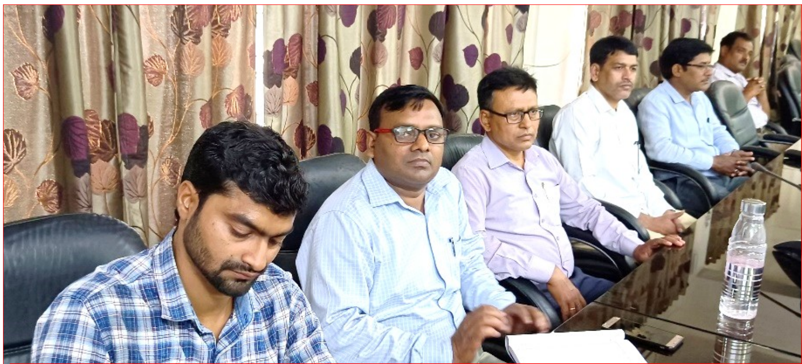

सामाजिक न्याय संघर्ष के प्रतीक–डॉ.अम्बेडकर–मुख्य वक्ता

प्रो. पी. एल. विश्वकमा

मुख्य वक्ता प्रो. पी. एल. विश्वकर्मा, आचार्य (से.नि.) मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग इलाहाबाद विश्वविद्याल, प्रयागराज ने कहा कि बाबासाहेब समता तथा न्याय पुरुष थे। उनका मत था कि डॉ. अम्बेडकर के अनुसार शिक्षा ही एक हथियार है जिससे समाज में विभिन्न प्रकार के परिवर्तन हो सकते हैं। शिक्षा के अभाव में न्याय की कल्पना अधूरी है। उन्होने डॉ अम्बेडकर के चिन्तन के विविध आयामों का उल्लेख किया। उन्होने कहा कि उनका चिंतन सर्वस्पर्शी था। उन्होंने पूना पैक्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि सर्वजन हिताय वाले विचार को स्वीकार किया गया है। उन्होंने सामाजिक असमानता का उल्लेख किया। उनके अनुसार डॉ.अम्बेडकर का चिंतन बहुआयामी था जिसमें सामाजिक राजनीतिक तथा सांस्कृतिक चिंतन सम्मिलित था। उन्होंने स्त्री शिक्षा एवं उनके अधिकार का उल्लेख किया। उन्होंने उनके सामाजिक समता, समानता का भी उल्लेख किया।

नए भारत के निर्माता हैं डॉ अम्बेडकर : प्रोफेसर सीमा सिंह

प्रो. पी. एल. विश्वकर्मा

अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि डॉ अम्बेडकर नए भारत के निर्माता हैं। उनका व्यक्तित्व बहुत विराट था। उन्होंने विधिवेत्ता, समाज सुधारक, शिक्षक एवं राजनेता के रूप में ख्याति प्राप्त की। बाबा साहब को दायरे में सीमित करना बहुत मुश्किल है। ऐसा कोई भी क्षेत्र और आयाम नहीं जहां उन्होंने अपनी उपस्थिति दर्ज ना करायी हो। वे न्याय का एक मूर्त स्वरूप थे। उन्होंने समाज में व्याप्त छुआछूत व भेदभाव को मिटाने का संकल्प लिया और समतामूलक समाज की स्थापना की।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

राष्ट्रगान

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

17 अप्रैल, 2023

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा एवं एक्यूप्रेशर शोध प्रशिक्षण एवं उपचार संस्थान, मिन्टो रोड़, प्रयागराज के साथ दिनांक 17 अप्रैल, 2023 को विश्वविद्यालय के कमेटी कक्ष में पूर्वाह्न 11:00 बजे विषय सम्बन्धित प्रजेन्टेशन एवं चर्चा सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

बैठक की अध्यक्षता करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी एवं उपस्थित सदस्यगण

बैठक में विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा प्रो0 आशुतोश गुप्ता, कुलसचिव कर्नल विनय कुमी, एक्यूप्रेशर शोध प्रशिक्षण एवं उपचार संस्थान के अध्यक्ष डॉ0 जे0पी अग्रवाल, निदेशक/महासचिव, डॉ0 ए0के0 द्विवेदी, कमला कान्त त्रिपाठी, पी0 त्रिपाठी, अनिल शुक्ल, हनुमान मिश्रा, राम कुमार वर्मा, विशाल जायसवाल, मनमोहन, प्रो0 अनुपम दीक्षित करन कुमार एवं अमित कुमार कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

बैठक की अध्यक्षता करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी एवं उपस्थित सदस्यगण

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
25 अप्रैल, 2023

मुक्त विश्वविद्यालय के रक्तदान शिविर में कुलसचिव, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने किया रक्तदान

रक्तदान करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार तथा साथ में निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा प्रो0 (डॉ0) जी0 एस0 शुक्ल एवं डॉ0 प्रभात चन्द्र मिश्रा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में मंगलवार दिनांक 25 अप्रैल, 2023 को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदान करने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में उत्साह बरकरार रहा। राज्य रक्त संचरण परिषद, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में मुक्त विश्वविद्यालय में स्वैच्छिक विशेष स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में आयोजित किया गया।

रक्तदान करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार तथा साथ में निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा प्रो० (डॉ०) जी० एस० शुक्ल

रक्तदान करते हुए विश्वविद्यालय के असि. प्रोफेसर (संविदा) श्री अनुराग शुक्ला तथा साथ में निदेशक प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा प्रो० ओमजी गुप्ता, निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा, प्रो० पी० पी० दुबे, निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा प्रो० (डॉ०) जी० एस० शुक्ल एवं बेली अस्पताल के डाक्टर

रक्तदान करते हुए विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ० ज्ञान प्रकाश यादव, प्रशासन से श्री श्रवण कुमार दुबे तथा साथ में निदेशक प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा प्रो० ओमजी गुप्ता, निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा, प्रो० पी० पी० दुबे, निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा प्रो० (डॉ०) जी० एस० शुक्ल, डॉ० देवेश रंजन त्रिपाठी एवं बेली अस्पताल के डाक्टर

रक्तदान शिविर में उपस्थित बेली अस्पताल के डाक्टरों की टीम

रक्तदान करते हुए विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफ़ेसर डॉ0 देवेश रंजन त्रिपाठी तथा साथ में निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा प्रो0 (डॉ0) जी0 एस0 शुक्ल

रक्तदान करते हुए कुलपति सचिवालय के इन्दुभूषण पाण्डेय एवं एसोसिएट प्रोफ़ेसर डॉ0 श्रुति तथा साथ में निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा प्रो0 (डॉ0) जी0 एस0 शुक्ल एवं बेली अस्पताल के डाक्टर

रक्तदान करती हुई
एसोसिएट प्रोफेसर
डॉ0 मीरा पाल
तथा साथ में
निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा
प्रो0 (डॉ0) जी0 एस0 शुक्ल
एवं
बेली अस्पताल के डाक्टर

शिविर के संयोजक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने बताया कि रक्तदान शिविर का उद्घाटन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने रक्तदान कर किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों में रक्तदान के प्रति उत्साह बरकरार रहा। शिविर में 35 से अधिक लोगों ने नामांकन कराया। रक्तदान करने वालों में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर ए के मलिक, डॉ श्रुति, डॉ मीरा पाल डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, श्री अनुराग शुक्ला, श्री श्रवण कुमार दुबे, श्री इंदु भूषण पांडेय, डॉ एस के भारती एवं डॉ मुकेश कुमार मौर्या आदि प्रमुख रहे। इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रदेश शासन और बेली अस्पताल की तरफ से प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।
स्थानीय तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय रक्तकोश की तरफ से डॉक्टर रिचा कक्कड़ डॉ पंकज कुमार यादव अजय मिश्र हेमंत शुक्ला विभा मिश्रा अभिनव कुमार अनुराग जायसवाल संदीप मिश्रा भूपेंद्र पांडे तथा श्रीमती उपासना आदि ने सक्रिय सहयोग किया।

रक्तदान करते हुए प्रोफेसर ए0 के0 मलिक, असि. प्रोफेसर (संविदा) डॉ0 मुकेश कुमार मौर्या एवं असि. प्रोफेसर (संविदा) डॉ0 एस0 के0 भारती

इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रेरित करते हुए शिविर के संयोजक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने कहा कि नियमित रक्तदान से शरीर में लौह की मात्रा पर्याप्त रहती और रक्तचाप नियंत्रित रहता है जो हार्ट अटैक की संभावना को भी कम करता है।

प्रोफेसर जी एस शुक्ल

कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि रक्तदान एक बहुत पुण्य का कार्य है जो किसी के भी जीवन की रक्षा करने में अमृत के समान है। डॉ रिचा कक्कड़ ने कहा कि रक्तदान के बाद शरीर 48 घंटों के भीतर रक्त की मात्रा को बदल देता है जो इसे स्वस्थ बनने और अधिक कुशलता से काम करने में मदद करता है। शिविर में उपस्थित होकर विश्वविद्यालय के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल, प्रोफेसर ओम जी गुप्ता एवं प्रोफेसर पी पी दुबे रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते रहे।

रक्तदान शिविर की कुछ अन्य झलकियां

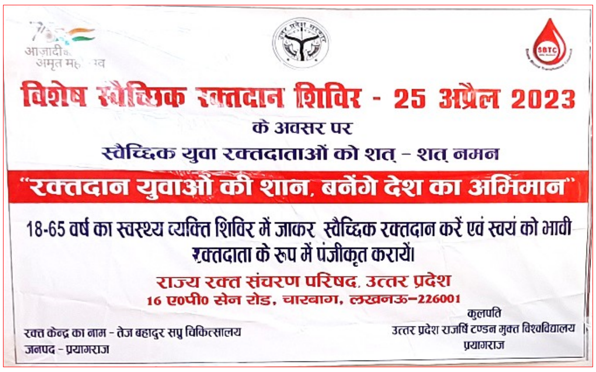

रक्तदाताओं को प्रदेश शासन और बेली अस्पताल की तरफ से प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए

रक्तदाताओं को प्रदेश शासन और बेली अस्पताल की तरफ से प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए तथा फल आदि दिया गया।

RNI/TITLE-CODE UPHIN/50789
सबसे तेज प्रयागराज
सब पर नजर, सटीक खबर
नगर संस्करण hpshukla50@gmail.com बुधवार 26 अप्रैल, 2023 वर्ष: 01, अंक: 43, पृष्ठ: 8, मूल्य: 2 रु.

मुक्त विश्वविद्यालय के रक्तदान शिविर में कुलसचिव, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने किया रक्तदान

मुख्य संवाददाता
सबसे तेज खबर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में मंगलवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदान करने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में उत्साह बरकरार रहा। राज्य रक्त संचरण परिषद, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में मुक्त विश्वविद्यालय में स्वैच्छिक विशेष स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में आयोजित किया गया।

शिविर के संयोजक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने बताया कि रक्तदान शिविर का उद्घाटन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने रक्तदान कर किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों में रक्तदान के प्रति उत्साह बरकरार रहा। शिविर में 35 से अधिक लोगों ने नामांकन कराया। रक्तदान करने वालों में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर ए के मलिक, डॉ श्रुति, डॉ मीरा पाल डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, अनुराग शुक्ला, श्रवण कुमार दुबे, इंदु भूषण पांडेय, डॉ एस के भारती एवं डॉ मुकेश कुमार मौर्या आदि प्रमुख रहे। इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रदेश शासन और बेली अस्पताल की तरफ से प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

स्थानीय तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय रक्तकोश की तरफ से डॉक्टर रिचा कक्कड़ डॉ पंकज कुमार यादव अजय मिश्र हेमंत शुक्ला विभा मिश्रा अभिनव कुमार अनुराग जायसवाल संदीप मिश्रा भूपेंद्र पांडे तथा श्रीमती उपासना आदि ने सक्रिय सहयोग किया।

इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रेरित करते हुए शिविर के संयोजक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने कहा कि नियमित रक्तदान से शरीर में लौह की मात्रा पर्याप्त रहती और रक्तचाप नियंत्रित रहता है जो हार्ट अटैक की संभावना को भी कम करता है।

कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि रक्तदान एक बहुत पुण्य का कार्य है जो किसी के भी जीवन की रक्षा करने में अमृत के समान है।

डॉ रिचा कक्कड़ ने कहा कि रक्तदान के बाद शरीर 48 घंटों के भीतर रक्त की मात्रा को बदल देता है जो इसे स्वस्थ बनने और अधिक कुशलता से काम करने में मदद करता है। शिविर में उपस्थित होकर विश्वविद्यालय के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल, प्रोफेसर ओम जी गुप्ता एवं प्रोफेसर पी पी दुबे रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते रहे।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI No.-UPHIN/2020/82181
हरबात
प्रयागराज एवं फतेहपुर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष : 03 अंक : 139 प्रयागराज, बुधवार, 26 अप्रैल, 2023, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

मुक्त विश्वविद्यालय के रक्तदान शिविर में कुलसचिव, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने किया रक्तदान

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में मंगलवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदान करने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में उत्साह बरकरार रहा। राज्य रक्त संचरण परिषद, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में मुक्त विश्वविद्यालय में स्वैच्छिक विशेष स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में आयोजित किया गया।

शिविर के संयोजक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने बताया कि रक्तदान शिविर का उद्घाटन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने रक्तदान कर किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियो एवं कर्मचारियों में रक्तदान के प्रति उत्साह बरकरार रहा। शिविर में 35 से अधिक लोगों ने नामांकन कराया। रक्तदान करने वालों में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर ए के मलिक, डॉ श्रुति, डॉ मीरा पाल डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, अनुराग शुक्ला, श्रवण कुमार दुबे, इंदु भूषण पांडेय, डॉ एस के भारती एवं डॉ मुकेश कुमार मौर्या आदि प्रमुख रहे। इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रदेश शासन और बेली अस्पताल की तरफ से प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। स्थानीय तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय रक्तकोश की तरफ से डॉक्टर रिचा कक्कड़ डॉ पंकज कुमार यादव अजय मिश्र हेमंत शुक्ला विभा मिश्रा अभिनव कुमार अनुराग जायसवाल संदीप मिश्रा भूपेंद्र पांडे तथा श्रीमती उपासना आदि ने सक्रिय सहयोग किया।

इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रेरित करते हुए शिविर के संयोजक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने कहा कि नियमित रक्तदान से शरीर मे लौह की मात्रा पर्याप्त रहती और रक्तचाप नियंत्रित रहता है जो हार्ट अटैक की संभावना को भी कम करता है। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि रक्तदान एक बहुत पुण्य का कार्य है जो किसी के भी जीवन की रक्षा करने में अमृत के समान है। डॉ रिचा कक्कड़ ने कहा कि रक्तदान के बाद शरीर 48 घंटों के भीतर रक्त की मात्रा को बदल देता है जो इसे स्वस्थ बनने और अधिक कुशलता से काम करने मे मदद करता है। शिविर में उपस्थित होकर विश्वविद्यालय के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल, प्रोफेसर ओम जी गुप्ता एवं प्रोफेसर पी पी दुबे रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते रहे।

अमर उजाला

मुक्त विवि में रक्तदान

प्रयागराज। राजर्षि टंडन मुक्त विवि में मंगलवार को रक्तदान शिविर में 35 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया। इनमें कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रो. एके मलिक, डॉ. श्रुति, डॉ. मीरा पाल, डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी, अनुराग शुक्ला, श्रवण कुमार दुबे, इंदु भूषण पांडेय आदि शामिल रहे। ब्यूरो

अमर उजाला
amarujala.com
SELECT 07

शिक्षकों, अधिकारियों ने किया रक्तदान

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 35 से अधिक लोगों ने नामांकन कराया। रक्तदान करने वालों में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रो. एके मलिक, डॉ. श्रुति, डॉ. मीरा पाल, डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी, अनुराग शुक्ला, श्रवण कुमार दुबे, इंदु भूषण पांडेय, डॉ. एसके भारती, डॉ. मुकेश कुमार मौर्या आदि शामिल रहे।

प्रयाग प्रभात
UPHIN/2009/42812 बुधवार, 26 अप्रैल, 2023

मुक्त विश्वविद्यालय के रक्तदान शिविर में कुलसचिव, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने किया रक्तदान

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदान करने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में उत्साह बरकरार रहा। राज्य रक्त संचरण परिषद,उत्तर प्रदेश के आह्वान पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में मुक्त विश्वविद्यालय में विशेष स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में आयोजित किया गया। शिविर के संयोजक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने बताया कि रक्तदान शिविर का उद्घाटन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने रक्तदान कर किया।

इस अवसर पर शिक्षकों,अधिकारियों एवं कर्मचारियों में रक्तदान के प्रति उत्साह बरकरार रहा। शिविर में 35 से अधिक लोगों ने नामांकन कराया। रक्तदान करने वालों में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर ए के मलिक,डॉ श्रुति,डॉ मीरा पाल डॉ ज्ञान प्रकाश यादव,डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी,अनुराग शुक्ला,श्रवण कुमार दुबे,इंदु भूषण पांडेय,डॉ एस के भारती एवं डॉ मुकेश कुमार मौर्या आदि प्रमुख रहे। इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रदेश शासन और बेली अस्पताल की तरफ से प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।स्थानीय तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय रक्तकोश की तरफ से डॉक्टर रिचा कक्कड़ डॉ पंकज कुमार यादव अजय मिश्र हेमंत शुक्ला विभा मिश्रा अभिनव कुमार अनुराग जायसवाल संदीप मिश्रा भूपेंद्र पांडे तथा श्रीमती उपासना आदि ने सक्रिय सहयोग किया। इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रेरित करते हुए शिविर के संयोजक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने कहा कि नियमित रक्तदान से शरीर में लौह की मात्रा पर्याप्त रहती और रक्तचाप नियंत्रित रहता है जो हार्ट अटैक की संभावना को भी कम करता है। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि रक्तदान एक बहुत पुण्य का कार्य है जो किसी के भी जीवन की रक्षा करने में अमृत के समान है। डॉ रिचा कक्कड़ ने कहा कि रक्तदान के बाद शरीर 48 घंटों के भीतर रक्त की मात्रा को बदल देता है जो इसे स्वस्थ बनने और अधिक कुशलता से काम करने में मदद करता है। शिविर में उपस्थित होकर विश्वविद्यालय के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल, प्रोफेसर ओम गुप्ता एवं प्रोफेसर पी पी दूबे रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते रहे।

संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 10
अंक :55
पृष्ठ : 6
मूल्य : 5.0
बुधवार 26 अप्रैल 2023
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
www.pratahkalexpress.in
प्रातःकाल एक्सप्रेस
सच से रूबरू
प्रयागराज से प्रकाशित एवं कौशाम्बी, प्रतापगढ़, अयोध्या, लखनऊ, वाराणसी, मिर्जापुर, सोनभद्र, झांसी, बिजनौर में प्रसारित

मुक्त विश्वविद्यालय के रक्तदान शिविर में कुलसचिव, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने किया रक्तदान

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में मंगलवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदान करने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में उत्साह बरकरार रहा। राज्य रक्त संचरण परिषद, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में मुक्त विश्वविद्यालय में स्वैच्छिक विशेष स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में आयोजित किया गया।

शिविर के संयोजक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने बताया कि रक्तदान शिविर का उद्घाटन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने रक्तदान कर किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों में रक्तदान के प्रति उत्साह बरकरार रहा। शिविर में 35 से अधिक लोगों ने नामांकन कराया। रक्तदान करने वालों में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर ए के मलिक, डॉ श्रुति, डॉ मीरा पाल डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी अनुराग शुक्ला, श्रवण कुमार दुबे, इंदु भूषण पांडेय, डॉ एस के भारती एवं डॉ मुकेश कुमार मौर्या आदि प्रमुख रहे। इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रदेश शासन और बेली अस्पताल की तरफ से प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

स्थानीय तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय रक्तकोश की तरफ से डॉक्टर रिचा कक्कड़ डॉ पंकज कुमार यादव अजय मिश्र हेमंत शुक्ला विभा मिश्रा अभिनव कुमार अनुराग जायसवाल संदीप मिश्रा भूपेंद्र पांडे तथा श्रीमती उपासना आदि ने सक्रिय सहयोग किया।

इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रेरित करते हुए शिविर के संयोजक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने कहा कि नियमित रक्तदान से शरीर में लौह की मात्रा पर्याप्त रहती और रक्तचाप नियंत्रित रहता है जो हार्ट अटैक की संभावना को भी कम करता है।

कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि रक्तदान एक बहुत पुण्य का कार्य है जो किसी के भी जीवन की रक्षा करने में अमृत के समान है।

डॉ रिचा कक्कड ने कहा कि रक्तदान के बाद शरीर 48 घंटों के भीतर रक्त की मात्रा को बदल देता है जो इसे स्वस्थ बनने और अधिक कुशलता से काम करने में मदद करता है। शिविर में उपस्थित होकर विश्वविद्यालय के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल, प्रोफेसर ओम जी गुप्ता एवं प्रोफेसर पी पी दुबे रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते रहे।

स्वतंत्र भारत
लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

मुक्त विश्वविद्यालय के कर्मियों ने किया रक्तदान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदान करने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में उत्साह बरकरार रहा। राज्य रक्त संचरण परिषद, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में मुक्त विश्वविद्यालय में स्वैच्छिक विशेष स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में आयोजित किया गया। शिविर के संयोजक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने बताया कि रक्तदान शिविर का उद्घाटन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने रक्तदान कर किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों में रक्तदान के प्रति उत्साह बरकरार रहा। शिविर में 35 से अधिक लोगों ने नामांकन कराया।

वर्ष : 29 | अंक :174
प्रतापगढ़ | बुधवार , 26 अप्रैल-2023
पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपये
दैनिक सच्चाई की जंग
लोकमित्र
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

मुक्त विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में मंगलवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदान करने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में उत्साह बरकरार रहा। राज्य रक्त संचरण परिषद, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में मुक्त विश्वविद्यालय में स्वैच्छिक विशेष स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में आयोजित किया गया।शिविर के संयोजक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने बताया कि रक्तदान शिविर का उद्घाटन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने रक्तदान कर किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों में रक्तदान के प्रति उत्साह बरकरार रहा। शिविर में 35 से अधिक लोगों ने नामांकन कराया। रक्तदान करने वालों में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर ए के मलिक, डॉ श्रुति, डॉ मीरा पाल डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, श्री अनुराग शुक्ला, श्री श्रवण कुमार दुबे, श्री इंदु भूषण पांडेय, डॉ एस के भारती एवं डॉ मुकेश कुमार मौर्या आदि प्रमुख रहे। इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रदेश शासन और बेली अस्पताल की तरफ से प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।स्थानीय तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय रक्तकोश की तरफ से डॉक्टर रिचा कक्कड़ डॉ पंकज कुमार यादव अजय मिश्र हेमंत शुक्ला विभा मिश्रा अभिनव कुमार अनुराग जायसवाल संदीप मिश्रा भूपेंद्र पांडे तथा श्रीमती उपासना आदि ने सक्रिय सहयोग किया। इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रेरित करते हुए शिविर के संयोजक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने कहा कि नियमित रक्तदान से शरीर में लौह की मात्रा पर्याप्त रहती और रक्तचाप नियंत्रित रहता है जो हार्ट अटैक की संभावना को भी कम करता है।कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि रक्तदान एक बहुत पुण्य का कार्य है जो किसी के भी जीवन की रक्षा करने में अमृत के समान है।शिविर में उपस्थित होकर विश्वविद्यालय के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल, प्रोफेसर ओम जी गुप्ता एवं प्रोफेसर पी पी दुबे रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते रहे।

● वर्ष : 16
● अंक : 79
● प्रातः कालीन संस्करण
● लखनऊ
● बुधवार, 26 अप्रैल 2023
● पृष्ठ : 08
● मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तिजारत

मुविवि के रक्तदान शिविर में कुलसचिव, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने किया रक्तदान

शासन और अस्पताल प्रशासन ने रक्तदाताओ को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदान करने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में उत्साह बरकरार रहा। राज्य रक्त संचरण परिषद, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में मुक्त विश्वविद्यालय में स्वैच्छिक विशेष स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में आयोजित किया गया।

शिविर के संयोजक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो. जीएस शुक्ल ने बताया कि रक्तदान शिविर का उद्घाटन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने रक्तदान कर किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों में रक्तदान के प्रति उत्साह बरकरार रहा। शिविर में 35 से अधिक लोगों ने नामांकन कराया। रक्तदान करने वालों में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रो. ए के मलिक, डॉ श्रुति, डॉ मीरा पाल डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, श्री अनुराग शुक्ला, श्रवण कुमार दुबे, इंदु भूषण पांडेय, डॉ एस के भारती एवं डॉ मुकेश कुमार मौर्या आदि प्रमुख रहे। इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रदेश शासन और बेली अस्पताल की तरफ से प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। स्थानीय तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय रक्तकोश की तरफ से डॉक्टर रिचा कक्कड़, डॉ पंकज कुमार यादव, अजय मिश्र, हेमंत शुक्ला, विभा मिश्रा, अभिनव कुमार, अनुराग जायसवाल, संदीप मिश्र, भूपेंद्र पांडे तथा उपासना आदि ने सक्रिय सहयोग किया।

इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रेरित करते हुए शिविर के संयोजक प्रो. जीएस शुक्ल ने कहा कि नियमित रक्तदान से शरीर में लौह की मात्रा पर्याप्त रहती और रक्तचाप नियंत्रित रहता है जो हार्ट अटैक की संभावना को भी कम करता है। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि रक्तदान एक बहुत पुण्य का कार्य है जो किसी के भी जीवन की रक्षा करने में अमृत के समान है।।डॉ रिचा कक्कड़ ने कहा कि रक्तदान के बाद शरीर 48 घंटों के भीतर रक्त की मात्रा को बदल देता है जो इसे स्वस्थ बनने और अधिक कुशलता से काम करने में मदद करता है। शिविर में उपस्थित होकर विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल, प्रोफेसर ओम जी गुप्ता एवं प्रो. पी पी दुबे रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते रहे।

---

www.facebook.com\rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtriya www.rashtriyasahara.com
राष्ट्रीय सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण
लखनऊ
बुधवार ● 26 अप्रैल ● 2023
पृष्ठ 14, मूल्य ₹ 5.00

रक्तदान शिविर में 35 ने किया योगदान

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। राज्य रक्त संचरण परिषद, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में लगाये गये शिविर में 35 लोगों ने रक्तदान किया। शिविर के संयोजक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने बताया कि रक्तदान शिविर का उद्घाटन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने रक्तदान कर किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों में रक्तदान के प्रति उत्साह बरकरार रहा। रक्तदान करने वालों में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर ए के मलिक, डा. श्रुति, डा. मीरा पाल, डा. ज्ञान प्रकाश यादव, डा. देवेश रंजन त्रिपाठी, अनुराग शुक्ला, श्रवण कुमार दुबे, इंदु भूषण पांडेय, डा. एस के भारती एवं डा. मुकेश कुमार मौर्या आदि प्रमुख रहे। शिविर में रक्तदान करने वालों को प्रदेश शासन और बेली अस्पताल की तरफ से प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। बेली अस्पताल के ब्लड बैंक की तरफ से डा. रिचा कक्कड, डा. पंकज कुमार यादव, अजय मिश्र, हेमंत शुक्ला, विभा मिश्रा, अभिनव कुमार, अनुराग जायसवाल, संदीप मिश्रा, भूपेंद्र पांडे तथा श्रीमती उपासना आदि ने सक्रिय सहयोग किया।

EDUCATION

Blood Donation Camp : मुक्त विश्वविद्यालय के रक्तदान शिविर में कुलसचिव, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने किया रक्तदान

By manish

APR 26, 2023 Blood Donation Camp, Open University, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय

प्रयागराज: उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में मंगलवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर (Blood Donation Camp) का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदान करने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में उत्साह बरकरार रहा। राज्य रक्त संचरण परिषद, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में मुक्त विश्वविद्यालय में स्वैच्छिक विशेष स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में आयोजित किया गया।

शिविर के संयोजक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने बताया कि रक्तदान शिविर का उद्घाटन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने रक्तदान कर किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों में रक्तदान के प्रति उत्साह बरकरार रहा। शिविर में 35 से अधिक लोगों ने नामांकन कराया।

रक्तदान करने वालों में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर ए के मलिक, डॉ श्रुति, डॉ मीरा पाल डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, श्री अनुराग शुक्ला, श्री श्रवण कुमार दुबे, श्री इंदु भूषण पांडेय, डॉ एस के भारती एवं डॉ मुकेश कुमार मौर्या आदि प्रमुख रहे। इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रदेश शासन और बेली अस्पताल की तरफ से प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

स्थानीय तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय रक्तकोश की तरफ से डॉक्टर रिचा कक्कड़ डॉ पंकज कुमार यादव अजय मिश्र हेमंत शुक्ला विभा मिश्रा अभिनव कुमार अनुराग जायसवाल संदीप मिश्रा भूपेंद्र पांडे तथा श्रीमती उपासना आदि ने सक्रिय सहयोग किया।

इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रेरित करते हुए शिविर के संयोजक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने कहा कि नियमित रक्तदान से शरीर में लौह की मात्रा पर्याप्त रहती और रक्तचाप नियंत्रित रहता है जो हार्ट अटैक की संभावना को भी कम करता है।

कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि रक्तदान एक बहुत पुण्य का कार्य है जो किसी के भी जीवन की रक्षा करने में अमृत के समान है।
डॉ रिचा कक्कड़ ने कहा कि रक्तदान के बाद शरीर 48 घंटों के भीतर रक्त की मात्रा को बदल देता है जो इसे स्वस्थ बनने और अधिक कुशलता से काम करने में मदद करता है। शिविर में उपस्थित होकर विश्वविद्यालय के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल, प्रोफेसर ओम जी गुप्ता एवं प्रोफेसर पी पी दुबे रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते रहे।
यह जानकारी मीडिया प्रभारी डा. प्रभात चंद्र मिश्र ने दी।

Blood Donation Camp

Blood Donation Camp

Blood Donation Camp

Blood Donation Camp

मुक्त चिन्तन News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन 26 अप्रैल, 2023

मुविवि में दूरस्थ शिक्षा एवं स्व–अध्ययन सामग्री विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशानुसार मुक्त विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्याशाखाओं में नवनियुक्त सहायक आचार्यों (संविदा) को स्व–अध्ययन सामग्री के लेखन कार्य के सम्बन्ध में दिनांक 26 अप्रैल, 2023 को **दूरस्थ शिक्षा एवं स्व–अध्ययन सामग्री विकास** विषय पर एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र (CIQA) के तत्वाधन में तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित किया गया। जिसमें सभी विद्या शाखाओं के नवनियुक्त प्रतिनिधियों ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता निदेशक विज्ञान विद्याशाखा एवं निदेशक आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र (CIQA)

प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 गौरव संकल्प

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र के तत्वावधान में लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते हुए प्रोफेसर एस कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा एवं उप निदेशक, आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केंद्र ने कहा कि पाठ्य सामग्री ही एक ऐसा माध्यम है जिसमें छात्र दूर होते हुए भी हमारे पास रहता है। यह हमारे ज्ञान एवं कौशल पर निर्भर करता है कि हम छात्र को कितनी गुणवत्तापूर्ण पाठ्य सामग्री तैयार करके देते हैं। पाठ्य सामग्री में ही शिक्षक का चेहरा छुपा होता है। उन्होंने कहा कि हमें सुस्पष्ट एवं युगानुकूल पाठ्य सामग्री तैयार करने में अपने ज्ञान का बहुमूल्य उपयोग करना चाहिए।

प्रोफेसर संतोष कुमार

सरल विधा में लिखी जाए स्व अध्ययन सामग्री– प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता

प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता

मुक्त विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्याशाखाओं में नवनियुक्त सहायक आचार्यों (संविदा) को स्व–अध्ययन सामग्री के लेखन कार्य के सम्बन्ध में बुधवार दिनांक 25 अप्रैल, 2023 को दूरस्थ शिक्षा एवं स्व–अध्ययन सामग्री विकास विषय पर आयोजित एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा एवं निदेशक, आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केंद्र सीका ने कहा कि स्व अध्ययन सामग्री दूरस्थ शिक्षा का अभिन्न अंग है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में छात्रों के सामने शिक्षक नहीं होते। पाठ्य सामग्री ही छात्रों के सामने शिक्षक के रूप में होती है। ऐसी स्थिति में स्व अध्ययन सामग्री को सरल विधा में लिखा जाना चाहिए जिससे वह शिक्षार्थियों के समझ में आ सके और उनका ज्ञानार्जन कर सके।

प्रोफेसर गुप्ता ने कहा कि पाठ्य सामग्री लेखन का कार्य अपने विषय में दक्ष शिक्षक ही कर सकते हैं। उन्होंने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निर्देशन में सभी नवनियुक्त शिक्षकों को लेखन सामग्री निर्माण में अपनी प्रतिभा एवं क्षमता विकसित करने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इस अवसर पर प्रोफेसर गुप्ता ने दूरस्थ शिक्षा पद्धति में अध्ययनरत छात्रों को प्रदान की जाने वाली अध्ययन सामग्री की अवधारणा, उपभोग तथा महत्व को विस्तार से रेखांकित किया।

डॉ0 देवेश रंजन त्रिपाठी

प्रशिक्षण के द्वितीय सत्र में डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, सह आचार्य, व्यवसाय प्रबंधन ने स्व–अध्ययन सामग्री विकास के विभिन्न चरणों को क्रमशः पीपीटी के माध्यम से प्रदर्शित कर नव नियुक्त सहायक आचार्यों की जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा उपस्थित सहायक आचार्यों को क्रमशः 8 समूह में रखकर इकाई विकसित करने का अभ्यास कराया। जिसके अंतर्गत प्रत्येक समूह ने अपने द्वारा विकसित की गई इकाई का प्रस्तुतीकरण करते हुए उसमें अपेक्षित सुधारों को प्राप्त किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन डॉ गौरव संकल्प ने किया।

सरल विधा में लिखी जाए स्व अध्ययन सामग्री- प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता।

At Samachar | April 26, 2023 | 6:15 pm

मुविवि में दूरस्थ शिक्षा एवं स्व-अध्ययन सामग्री विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रयागराज,यूपी: स्व अध्ययन सामग्री दूरस्थ शिक्षा का अभिन्न अंग है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में छात्रों के सामने शिक्षक नहीं होते। पाठ्य सामग्री ही छात्रों के सामने शिक्षक के रूप में होती है। ऐसी स्थिति में स्व अध्ययन सामग्री को सरल विधा में लिखा जाना चाहिए जिससे वह शिक्षार्थियों के समझ में आ सके और उनका ज्ञानार्जन कर सके।

उक्त उद्गार प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्या शाखा एवं निदेशक, आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केंद्र सीका ने मुक्त विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्याशाखाओं में नवनियुक्त सहायक आचार्यों (संविदा) को स्व-अध्ययन सामग्री के लेखन कार्य के सम्बन्ध में बुधवार को दूरस्थ शिक्षा एवं स्व-अध्ययन सामग्री विकास विषय पर आयोजित एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्यक्त किए।

प्रोफेसर गुप्ता ने कहा कि पाठ्य सामग्री लेखन का कार्य अपने विषय में दक्ष शिक्षक ही कर सकते हैं। उन्होंने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निर्देशन में सभी नवनियुक्त शिक्षकों को लेखन सामग्री निर्माण में अपनी प्रतिभा एवं क्षमता विकसित करने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इस अवसर पर प्रोफेसर गुप्ता ने दूरस्थ शिक्षा पद्धति में अध्ययनरत छात्रों को प्रदान की जाने वाली अध्ययन सामग्री की अवधारणा, उपभोग तथा महत्व को विस्तार से रेखांकित किया।

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र के तत्वावधान में लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते हुए प्रोफेसर एस कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा एवं उप निदेशक, आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केंद्र ने कहा कि पाठ्य सामग्री ही एक ऐसा माध्यम है जिसमें छात्र दूर होते हुए भी हमारे पास रहता है। यह हमारे ज्ञान एवं कौशल पर निर्भर करता है कि हम छात्र को कितनी गुणवत्तापूर्ण पाठ्य सामग्री तैयार करके देते हैं। पाठ्य सामग्री में ही शिक्षक का चेहरा छुपा होता है। उन्होंने कहा कि हमें सुस्पष्ट एवं युगानुकूल पाठ्य सामग्री तैयार करने में अपने ज्ञान का बहुमूल्य उपयोग करना चाहिए।

प्रशिक्षण के द्वितीय सत्र में डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, सह आचार्य, व्यवसाय प्रबंधन ने स्व-अध्ययन सामग्री विकास के विभिन्न चरणों को क्रमशः पीपीटी के माध्यम से प्रदर्शित कर नव नियुक्त सहायक आचार्यों की जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा उपस्थित सहायक आचार्यों को क्रमशः 8 समूह में रखकर इकाई विकसित करने का अभ्यास कराया। जिसके अंतर्गत प्रत्येक समूह ने अपने द्वारा विकसित की गई इकाई का प्रस्तुतीकरण करते हुए उसमें अपेक्षित सुधारों को प्राप्त किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन डॉ गौरव संकल्प ने किया।

सरल विधा में लिखी जाए स्व अध्ययन सामग्री: मुविवि में दूरस्थ शिक्षा एवं स्व-अध्ययन सामग्री विकास पर प्रशिक्षण में बोले प्रोफेसर आशुतोष

मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित वर्कशॉप को संबोधित करते प्रो. आशुतोष गुप्ता।

स्व अध्ययन सामग्री दूरस्थ शिक्षा का अभिन्न अंग है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में छात्रों के सामने शिक्षक नहीं होते। पाठ्य सामग्री ही छात्रों के सामने शिक्षक के रूप में होती है। ऐसी स्थिति में स्व अध्ययन सामग्री को सरल विधा में लिखा जाना चाहिए, जिससे वह शिक्षार्थियों के समझ में आ सके और उनका ज्ञानार्जन कर सके।

में उपस्थित प्रतिभागी।

पाठ्य सामग्री लेखन का कार्य अपने विषय में दक्ष शिक्षकों से ही कराएं

उक्त उद्गार प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्या शाखा एवं निदेशक, आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केंद्र सीका ने मुक्त विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्याशाखाओं में नवनियुक्त सहायक आचार्यों (संविदा) को स्व-अध्ययन सामग्री के लेखन कार्य के सम्बन्ध में बुधवार को दूरस्थ शिक्षा एवं स्व-अध्ययन सामग्री विकास विषय पर आयोजित एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्यक्त किए।

प्रोफेसर गुप्ता ने कहा कि पाठ्य सामग्री लेखन का कार्य अपने विषय में दक्ष शिक्षक ही कर सकते हैं। उन्होंने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निर्देशन में सभी नवनियुक्त शिक्षकों को लेखन सामग्री निर्माण में अपनी प्रतिभा एवं क्षमता विकसित करने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इस अवसर पर प्रोफेसर गुप्ता ने दूरस्थ शिक्षा पद्धति में अध्ययनरत छात्रों को प्रदान की जाने वाली अध्ययन सामग्री की अवधारणा, उपभोग तथा महत्व को विस्तार से रेखांकित किया।

वर्कशॉप में उपस्थित डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी, प्रो. आशुतोष गुप्ता।

पाठ्य सामग्री से ही छात्र हमसे दूर रहते हुए भी पास रहते हैं

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र के तत्वावधान में लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते हुए प्रोफेसर एस कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा एवं उप निदेशक, आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केंद्र ने कहा कि पाठ्य सामग्री ही एक ऐसा माध्यम है जिसमें छात्र दूर होते हुए भी हमारे पास रहता है। यह हमारे ज्ञान एवं कौशल पर निर्भर करता है कि हम छात्र को कितनी गुणवत्तापूर्ण पाठ्य सामग्री तैयार करके देते हैं। पाठ्य सामग्री में ही शिक्षक का चेहरा छुपा होता है। उन्होंने कहा कि हमें सुस्पष्ट एवं युगानुकूल पाठ्य सामग्री तैयार करने में अपने ज्ञान का बहुमूल्य उपयोग करना चाहिए।

सहायक आचार्यों की जिज्ञासाओं का समाधान किया

प्रशिक्षण के द्वितीय सत्र में डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी, सह आचार्य, व्यवसाय प्रबंधन ने स्व-अध्ययन सामग्री विकास के विभिन्न चरणों को क्रमश: पीपीटी के माध्यम से प्रदर्शित कर नव नियुक्त सहायक आचार्यों की जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा उपस्थित सहायक आचार्यों को क्रमश: 8 समूह में रखकर इकाई विकसित करने का अभ्यास कराया। जिसके अंतर्गत प्रत्येक समूह ने अपने द्वारा विकसित की गई इकाई का प्रस्तुतीकरण करते हुए उसमें अपेक्षित सुधारों को प्राप्त किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन डॉ गौरव संकल्प ने किया।

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

27 अप्रैल, 2023

मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह इन्टरनेशनल अवार्ड फॉर वूमेन आइकॉन– 2023 से सम्मानित

*उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को **इन्टरनेशनल अवार्ड फॉर वुमन आइकॉन– 2023** से सम्मानित करते हुए आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र, स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ एवं काउन्सिल फॉर एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मनेजमेंट (सी.ई.ए.एम.) के सदस्यगण*

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को गुरुवार दिनांक 27 अप्रैल, 2023 को स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ में शिक्षा, शोध एवं प्रकाशन के क्षेत्र में किये गये कार्य के लिए **इन्टरनेशनल अवार्ड फॉर वुमन आइकॉन– 2023** से सम्मानित किया गया।

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को यह सम्मान आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र, स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ एवं काउन्सिल फॉर एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मनेजमेंट (सी.ई.ए.एम.) भारत के संयुक्त तत्वावधान में फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स टू एजुकेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन ग्लोबल सिनेरियो विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस के उद्घाटन अवसर पर गुरुवार दिनांक 27 अप्रैल, 2023 को प्रदान किया गया।

विदित है कि प्रोफेसर सिंह शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के शैक्षणिक उत्थान के लिए कई वर्षों से कार्य कर रही हैं। विगत दो वर्षों से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति पद पर कार्य करते हुए प्रोफेसर सिंह ने मुक्त दूर शिक्षा के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित किए हैं। नवाचारी व्यवहार तथा शोध एवं विकास के क्षेत्र में प्रोफेसर सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय को देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों की पंक्ति में खड़ा करने में सफलता हासिल की है। कुलपति प्रोफेसर सिंह को मिले इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने हर्ष व्यक्त किया है।

दैनिक अमृत प्रभात
वर्ष - 47 अंक-115 प्रयागराज, शुक्रवार 28 अप्रैल 2023 पृष्ठ-12 मूल्य-3.50 रुपए
जनता के साथ जनता की आवाज

मुविवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह इंटरनेशनल अवॉर्ड फॉर वूमेन आइकॉन-2023 से सम्मानित

प्रयागराज (नि.सं.)

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को गुरुवार को स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ में इंटरनेशनल अवार्ड फॉर वुमन आइकॉन-2023 से सम्मानित किया गया। प्रोफेसर सिंह को यह सम्मान आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र, स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ एवं काउन्सिल फॉर एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मनेजमेंट (सीईएएम) भारत के संयुक्त तत्वावधान में फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स टू एजुकेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन ग्लोबल सिनेरियो विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस के उद्घाटन अवसर पर गुरुवार को प्रदान किया गया। विदित है कि प्रोफेसर सिंह शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के शैक्षणिक उत्थान के लिए कई वर्षों से कार्य कर रही हैं। विगत दो वर्षों से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति पद पर कार्य करते हुए प्रोफेसर सिंह ने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। नवाचारी व्यवहार तथा शोध एवं विकास के क्षेत्र में प्रोफेसर सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय को देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों की पंक्ति में खड़ा करने में सफलता हासिल की है। प्रोफेसर सिंह के प्रयासों से ही मुक्त विश्वविद्यालय में रेगुलर मोड में शोध कार्य प्रारंभ हो सका। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सिंह को मिले इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने हर्ष व्यक्त किया है।

समय से पहले 'समय' पर नजर
न्यायाधीश
प्रयागराज, शुक्रवार 28 अप्रैल, 2023 5

मुविवि की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह इंटरनेशनल अवॉर्ड फॉर वूमेन आइकॉन- 2023 से सम्मानित

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को गुरुवार को स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ में इंटरनेशनल अवार्ड फॉर वुमन आइकॉन- 2023 से सम्मानित किया गया। प्रोफेसर सिंह को यह सम्मान आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र, स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ एवं काउन्सिल फॉर एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मनेजमेंट (सी ई ए एम) भारत के संयुक्त तत्वावधान में फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स टू एजुकेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन ग्लोबल सिनेरियो विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस के उद्घाटन अवसर पर गुरुवार को प्रदान किया गया। विदित है कि प्रोफेसर सिंह शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के शैक्षणिक उत्थान के लिए कई वर्षों से कार्य कर रही हैं। विगत दो वर्षों से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति पद पर कार्य करते हुए प्रोफेसर सिंह ने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। नवाचारी व्यवहार तथा शोध एवं विकास के क्षेत्र में प्रोफेसर सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय को देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों की पंक्ति में खड़ा करने में सफलता हासिल की है। प्रोफेसर सिंह के प्रयासों से ही मुक्त विश्वविद्यालय में रेगुलर मोड में शोध कार्य प्रारंभ हो सका। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सिंह को मिले इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने हर्ष व्यक्त किया है।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार

कुलपति सीमा सिंह को मिला सम्मान

अमृत विचार, लखनऊ : राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को गुरुवार को स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ में इंटरनेशनल अवार्ड फॉर वुमन आइकॉन– 2023 से सम्मानित किया गया। प्रोफेसर सिंह को यह सम्मान आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र, स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ एवं काउन्सिल फॉर एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मनेजमेंट भारत के संयुक्त तत्वावधान में फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स टू एजुकेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन ग्लोबल सिनेरियो विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस के उद्घाटन अवसर पर गुरुवार को प्रदान किया गया। प्रोफेसर सिंह शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के शैक्षणिक उत्थान के लिए कई वर्षों से कार्य कर रही हैं। विगत दो वर्षों से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर कार्य करते हुए प्रोफेसर सिंह ने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

पायनियर
लखनऊ, शुक्रवार, 28 अप्रैल, 2023

मुविवि की कुलपति प्रो सीमा सिंह इंटरनेशनल अवॉर्ड फॉर वूमेन आइकॉन से हुईं सम्मानित

संवाददाता। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की कुलपति प्रो सीमा सिंह को आज स्वामी विवेकानंद शुभारती यूनिवर्सिटी मेरठ में इंटरनेशनल अवार्ड फॉर वूमेन आइकॉन 2023 से सम्मानित किया गया। प्रो सीमा सिंह को यह सम्मान आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र स्वामी विवेकानंद शुभारती यूनिवर्सिटी मेरठ एवं काउन्सिल फॉर एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मनेजमेंट सीईएएम भारत के संयुक्त तत्वावधान में फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स टू एजुकेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन ग्लोबल सिनेरियो विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस के उद्घाटन अवसर पर गुरुवार को प्रदान किया गया। बता दें कि प्रो सिंह शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के शैक्षणिक उत्थान के लिए कई वर्षों से कार्य कर रही हैं। विगत दो वर्षों से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति पद पर कार्य करते हुए प्रो सिंह ने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। नवाचारी व्यवहार तथा शोध एवं विकास के क्षेत्र में प्रोफेसर सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय को देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों की पंक्ति में खड़ा करने में सफलता हासिल की है। प्रो सिंह के प्रयासों से ही मुक्त विश्वविद्यालय में रेगुलर मोड में शोध कार्य प्रारंभ हो सका। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रो सिंह को मिले सम्मान के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षकों अधिकारियों कर्मचारियों एवं छात्रों ने हर्ष व्यक्त किया है।

Voice Of Allahabad NEWS
प्रयागराज
वर्ष : 09
अंक : 149
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया
शुक्रवार 28 अप्रैल 2023
हिन्दी दैनिक
वॉइस ऑफ इलाहाबाद
R.N.I No. UPHIN/2014/59094
खबर वही जो सच हो...
Voice Of Allahabad - Hindi Dainik E-mail:-voiceofallahabadnews@gmail.com www.voiceofallahabad.com

मुविवि की कुलपति इंटरनेशनल अवॉर्ड फॉर वूमेन आइकॉन से सम्मानित

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को गुरुवार को स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ में इंटरनेशनल अवार्ड फॉर वुमन आइकॉन 2023 से सम्मानित किया गया।

उन्हें यह सम्मान आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र, स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ एवं काउन्सिल फॉर एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मनेजमेंट (सी.ई.ए.एम) भारत के संयुक्त तत्वावधान में फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स टू एजुकेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन ग्लोबल सिनेरियो विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस के उद्घाटन अवसर पर प्रदान किया गया।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि कुलपति शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के शैक्षणिक उत्थान के लिए कई वर्षों से कार्य कर रही हैं। विगत दो वर्षों से कुलपति पद पर कार्य करते हुए उन्होंने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। नवाचारी व्यवहार तथा शोध एवं विकास के क्षेत्र में प्रो. सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय को देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों की पंक्ति में खड़ा करने में सफलता हासिल की है। उनके प्रयासों से ही मुक्त विवि में रेगुलर मोड में शोध कार्य प्रारंभ हो सका। कुलपति को मिले इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने हर्ष व्यक्त किया है।

Prayagraj, Friday, 28 April 2023
PRAYAGRAJ EDITION
Price ₹ 3.50/-
Pages 12
दैनिक जागरण

यूपीआरटीओयू वीसी को वूमेन आइकान अवार्ड

यूपीआरटीओयू की कुलपति प्रो. सीमा सिंह को स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल अवार्ड फार वुमन आइकान से सम्मानित किया गया. यह सम्मान स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी मेरठ में फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स टू एजुकेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन ग्लोबल सिनेरियो विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस के दौरान प्रदान किया. प्रो. सिंह शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के शैक्षणिक उत्थान के लिए कई वर्षों से कार्य कर रही हैं.

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस
सच का आधार ...
वर्ष : 14 अंक : 28, प्रयागराज, शुक्रवार 28 अप्रैल 2023, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

मुविवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह इण्टरनेशनल अवॉर्ड फॉर वूमेन आइकॉन- 2023 से सम्मानित

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को गुरुवार को स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ में इंटरनेशनल अवार्ड फॉर वुमन आइकॉन- 2023 से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर सिंह को यह सम्मान आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र, स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ एवं काउन्सिल फॉर एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मनेजमेंट (सी ई ए एम) भारत के संयुक्त तत्वाधान में फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स टू एजुकेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन ग्लोबल सिनेरियो विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस के उद्घाटन अवसर पर गुरुवार को प्रदान किया गया।

विदित है कि प्रोफेसर सिंह शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के शैक्षणिक उत्थान के लिए कई वर्षों से कार्य कर रही है। विगत दो वर्षों से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति पद पर कार्य करते हुए प्रोफेसर सिंह ने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए है। नवाचारी व्यवहार तथा शोध एवं विकास के क्षेत्र में प्रोफेसर सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय को देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों की पंक्ति में खड़ा करने में सफलता हासिल की है। प्रोफेसर सिंह के प्रयासों से ही मुक्त विश्वविद्यालय में रेगुलर मोड में शोध कार्य प्रारंभ हो सका। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सिंह को मिले इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने हर्ष व्यक्त किया है।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
हरबात
RNI No.-UPHIN/2020/82181
प्रयागराज एवं फतेहपुर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष : 03 अंक : 141 प्रयागराज, शुक्रवार, 28 अप्रैल, 2023, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

मुविवि की कुलपति प्रो.सीमा सिंह इंटरनेशनल अवॉर्ड फॉर वूमेन आइकॉन-2023 से सम्मानित

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को गुरुवार को स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ में इंटरनेशनल अवार्ड फॉर वुमन आइकॉन- 2023 से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर सिंह को यह सम्मान आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र, स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ एवं काउन्सिल फॉर एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मनेजमेंट (सी ई ए एम) भारत के संयुक्त तत्वाधान मे फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स टू एजुकेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन ग्लोबल सिनेरियो विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस के उद्घाटन अवसर पर गुरुवार को प्रदान किया गया। विदित है कि प्रोफेसर सिंह शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के शैक्षणिक उत्थान के लिए कई वर्षों से कार्य कर रही हैं। विगत दो वर्षों से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति पद पर कार्य करते हुए प्रोफेसर सिंह ने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। नवाचारी व्यवहार तथा शोध एवं विकास के क्षेत्र में प्रोफेसर सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय को देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों की पंक्ति मे खड़ा करने में सफलता हासिल की है। प्रोफेसर सिंह के प्रयासों से ही मुक्त विश्वविद्यालय में रेगुलर मोड में शोध कार्य प्रारंभ हो सका। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सिंह को मिले इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने हर्ष व्यक्त किया है।

राष्ट्रीय सहारा

राजर्षि टंडन मुक्त विवि की कुलपति सम्मानित

प्रयागराज। राजर्षि टंडन मुक्त विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह को गुरुवार को स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ में इंटरनेशनल अवार्ड फार वुमन आइकान- 2023 से सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. सिंह को यह सम्मान आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र, स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ एवं काउन्सिल फार एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मनेजमेंट (सीईएएम) भारत के संयुक्त तत्वावान में फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स टू एजुकेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन ग्लोबल सिनेरियो विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस के उद्घाटन अवसर पर गुरुवार को प्रदान किया गया है। मालूम हो के प्रो. सिंह शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के शैक्षणिक उत्थान के लिए कई वर्षों से कार्य कर रही हैं। मीडिया प्रभारी डा. प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रो सीमा सिंह को मिले इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए विवि के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने हर्ष व्यक्त किया है।

हिन्दी दैनिक लखनऊ, कानपुर व प्रयागराज से प्रकाशित
भारत कनेक्ट
प्रयागराज, शुक्रवार, 28 अप्रैल, 2023

मुविवि की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह इंटरनेशनल अवॉर्ड फॉर वूमेन आइकॉन-से सम्मानित

भारत कनेक्ट संवाददाता

प्रयागराज। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को गुरुवार को स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ में इंटरनेशनल अवार्ड फॉर वुमन आइकॉन- 2023 से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर सिंह को यह सम्मान आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र, स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ एवं काउन्सिल फॉर एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मनेजमेंट (सी ई ए एम) भारत के संयुक्त तत्वाधान में फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स टू एजुकेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन ग्लोबल सिनेरियो विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस के उद्घाटन अवसर पर गुरुवार को प्रदान किया गया।

विदित है कि प्रोफेसर सिंह शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के शैक्षणिक उत्थान के लिए कई वर्षों से कार्य कर रही हैं। विगत दो वर्षों से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति पद पर कार्य करते हुए प्रोफेसर सिंह ने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। नवाचारी व्यवहार तथा शोध एवं विकास के क्षेत्र में प्रोफेसर सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय को देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों की पंक्ति में खड़ा करने में सफलता हासिल की है। प्रोफेसर सिंह के प्रयासों से ही मुक्त विश्वविद्यालय में रेगुलर मोड में शोध कार्य प्रारंभ हो सका।

वर्ष : 29 | अंक :176
प्रतापगढ़ | शुक्रवार , 28 अप्रैल-2023
पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपये
दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग

मुविवि की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह इंटरनेशनल अवॉर्ड फॉर वूमेन आइकॉन- 2023 से सम्मानित

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को गुरुवार को स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ में इंटरनेशनल अवार्ड फॉर वुमन आइकॉन- 2023 से सम्मानित किया गया। प्रोफेसर सिंह को यह सम्मान आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र, स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ एवं काउन्सिल फॉर एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मनेजमेंट (सी ई ए एम) भारत के संयुक्त तत्वाधान में फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स टू एजुकेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन ग्लोबल सिनेरियो विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस के उद्घाटन अवसर पर गुरुवार को प्रदान किया गया। विदित है कि प्रोफेसर सिंह

शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के शैक्षणिक उत्थान के लिए कई वर्षों से कार्य कर रही हैं। विगत दो वर्षों से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति पद पर कार्य करते हुए प्रोफेसर सिंह ने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। नवाचारी व्यवहार तथा शोध एवं विकास के क्षेत्र में प्रोफेसर सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय को देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों की पंक्ति में खड़ा करने में सफलता हासिल की है। प्रोफेसर सिंह के प्रयासों से ही मुक्त विश्वविद्यालय में रेगुलर मोड में शोध कार्य प्रारंभ हो सका। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सिंह को मिले इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने हर्ष व्यक्त किया है।

RNI TITLE CODE:UPHIN50352 हिन्दी दैनिक - प्रात:संस्करण
वर्ष : 01, अंक: 124
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 4
प्रयागराज
शुक्रवार
28 अप्रैल, 2023
पावन प्रयाग

मुविवि की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह इंटरनेशनल अवॉर्ड फॉर वूमेन आइकॉन-2023 से सम्मानित

पावन प्रयाग संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को गुरुवार को स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ में इंटरनेशनल अवार्ड फॉर वुमन आइकॉन- 2023 से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर सिंह को यह सम्मान आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र, स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ एवं काउन्सिल फॉर एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मनेजमेंट (सी ई ए एम) भारत के संयुक्त तत्वाधान में फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स टू एजुकेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन ग्लोबल सिनेरियो विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस के उद्घाटन अवसर पर गुरुवार को प्रदान किया गया।

विदित है कि प्रोफेसर सिंह शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के शैक्षणिक उत्थान के लिए कई वर्षों से कार्य कर रही हैं। विगत दो वर्षों से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति पद पर कार्य करते हुए प्रोफेसर सिंह ने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। नवाचारी व्यवहार तथा शोध एवं विकास के क्षेत्र में प्रोफेसर सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय को देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों की पंक्ति में खड़ा करने में सफलता हासिल की है। प्रोफेसर सिंह के प्रयासों से ही मुक्त विश्वविद्यालय में रेगुलर मोड में शोध कार्य प्रारंभ हो सका। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सिंह को मिले इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने हर्ष व्यक्त किया है।

हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
शुक्रवार

यूपीआरटीयू की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को कान्फ्रेंस में सम्मानित किया गया।

प्रो.सीमा सिंह को मिला वूमेन ऑइकान सम्मान

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह को स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल अवार्ड फार वुमन ऑइकान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी मेरठ में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस के दौरान प्रदान किया।

आज
प्रयागराज, शुक्रवार २८ अप्रैल, २०२३

मुविवि की कुलपतिको फार वूमेन आईकान सम्मान

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.सीमा सिंह को स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी मेरठ में इंटरनेशनल अवार्ड फॉर वुमन आईकॉन २०२३ से सम्मानित किया गया। प्रो.सिंह को यह सम्मान आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र, स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ एवं काउन्सिल फॉर एजुकेशन एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट भारत के संयुक्त तत्वाधान में फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स टू एजुकेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन ग्लोबल सिनेरियो विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में प्रदान किया गया। गौरतलब है कि प्रो.सिंह शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के शैक्षणिक उत्थान के लिए कई वर्षों से कार्य कर रही है। विगत दो वर्षों से बतौर कुलपति राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित कर रही है। नवाचारी व्यवहार तथा शोध एवं विकास के क्षेत्र में प्रोफेसर सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय को देश में अग्रणी विश्वविद्यालय की पंक्ति में लाकर खड़ा कर दिया है। प्रो.सिंह के कार्यकाल में ही मुक्त विश्वविद्यालय में रेगुलर मोड में शोध कार्य प्रारंभ हुआ है। मीडिया प्रभारी डा.प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि कुलपति के मिले सम्मान के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने खुशी व्यक्त की है।

रीडर्स मैसेंजर

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन के लिए मान्यता प्राप्त
R.N.I. No. : UPHIN/2016/68960
www.readersmessenger.com
readersmessenger@gmail.com
ख़बरों का दर्पण राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
प्रातःकालीन हिन्दी दैनिक समाचार पत्र (लखनऊ संस्करण)
लखनऊ, शुक्रवार, 28 अप्रैल, 2023

मुविवि की कुलपति प्रोफेसर इंटरनेशनल अवॉर्ड फॉर वूमेन आइकॉन से सम्मानित

रीडर्स मैसेंजर नेटवर्क

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को गुरुवार को स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ में इंटरनेशनल अवार्ड फॉर वुमन आइकॉन- 2023 से सम्मानित किया गया। प्रोफेसर सिंह को यह सम्मान आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र, स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ एवं काउन्सिल फॉर एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मनेजमेंट (सी ई ए एम) भारत के संयुक्त तत्वावधान में फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स टू एजुकेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन ग्लोबल सिनेरियो विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस के उद्घाटन अवसर पर गुरुवार को प्रदान किया गया। विदित है कि प्रोफेसर सिंह शिक्षा के क्षेत्र में

महिलाओं के शैक्षणिक उत्थान के लिए कई वर्षों से कार्य कर रही हैं। विगत दो वर्षों से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति पद पर कार्य करते हुए प्रोफेसर सिंह ने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। नवाचारी व्यवहार तथा शोध एवं विकास के क्षेत्र में प्रोफेसर सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय को देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों की पंक्ति में खड़ा करने में सफलता हासिल की है। प्रोफेसर सिंह के प्रयासों से ही मुक्त विश्वविद्यालय में रेगुलर मोड में शोध कार्य प्रारंभ हो सका।

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी
स्वतंत्र भारत
लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित
लखनऊ, शुक्रवार, 28 अप्रैल, 2023
epaper : epaper.swatantrabharat.net web portal : swatantrabharat.net

मुविवि की कुलपति को मिला इंटरनेशनल अवॉर्ड फॉर वूमेन आइकॉन 2023

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, **प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को गुरुवार को स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ में इंटरनेशनल अवार्ड फॉर वुमन आइकॉन- 2023 से सम्मानित किया गया। प्रोफेसर सिंह को यह सम्मान आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र, स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ एवं काउन्सिल फॉर एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मनेजमेंट (सी ई ए एम) भारत के संयुक्त तत्वावधान में फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स टू एजुकेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन ग्लोबल सिनेरियो विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस के

उद्घाटन अवसर पर गुरुवार को प्रदान किया गया। प्रोफेसर सिंह के प्रयासों से ही मुक्त विश्वविद्यालय में रेगुलर मोड में शोध कार्य प्रारंभ हो सका। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सिंह को मिले इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने हर्ष व्यक्त किया है।

PRAYAGRAJ FRIDAY, 28 APRIL 2023 WEBSITE : www.jeevanexpress.in RNI NO.- UPENG/2008/25430
Vol. 15 Issue 291 Daily pages - 8 Rs. 1.00 Morning Edition Prayagraj
JEEVAN EXPRESS
EDITORIAL NEWSCAST SPORT

Vice Chancellor Professor Seema Singh has been honored with International Award for Women Icon-2023

UPRTOU VC honored in two day international seminar organized at Swami Vivekananda Subharti University, Meerut

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: Vice-Chancellor of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj, Professor Seema Singh, has been honored with the International Award for Women Icon-2023 on Thursday. Professor Singh was conferred with this award during the inauguration of a two-day International Conference on Futuristic Trends in Education, Research and Development in Global Scenario organized under the joint aegis of Center for Internal Quality Assurance, Swami Vivekananda Subharti University, Meerut and Council for Educational Administration and Management (CEAM), India on Thursday. Professor Singh

has been working for many years for the educational upliftment of women in the field of education. Professor Singh has set new records in the field of open and distance education while working as Vice Chancellor of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj for the last two years. Due to the efforts of Professor Singh, the research work could start in regular mode in the Open University. Media in-charge Dr. Prabhat Chandra Mishra said that the teachers, officers, employees and students of the university have expressed happiness for this prestigious honor received by Vice-Chancellor Professor Singh.

अमर उजाला
प्रयागराज
शुक्रवार, 28 अप्रैल 2023

मुक्त विवि की कुलपति को इंटरनेशनल अवार्ड

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रो. सीमा सिंह को बृहस्पतिवार को स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ में इंटरनेशनल अवार्ड फॉर वूमेन आइकॉन-2023 से सम्मानित किया गया।

प्रो. सीमा सिंह को यह सम्मान आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केंद्र, स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ एवं काउंसिल फॉर एजूकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट (सीईएएम) भारत के संयुक्त तत्वावधान में फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स टू एजूकेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन ग्लोबल सिनेरियो विषयक दो दिनी अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस के उद्घाटन पर प्रदान किया गया।

प्रो. सिंह शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के शैक्षणिक उत्थान के लिए कई वर्षों से कार्य कर रही हैं। दो वर्षों से राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति पद पर कार्य करते हुए दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए। प्रो. सिंह के प्रयासों से ही मुक्त विवि में रेगुलर मोड में शोध कार्य प्रारंभ हो सका। ब्यूरो

आनंदी मेल
लखनऊ, शुक्रवार, 28 अप्रैल 2023

मुविवि की कुलपति प्रो.सीमा सिंह इंटरनेशनल अवॉर्ड से सम्मानित

संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.सीमा सिंह को गुरुवार को स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी मेरठ में इंटरनेशनल अवार्ड फॉर वुमन आइकॉन- 2023 से सम्मानित किया गया। प्रोफेसर सिंह को यह सम्मान आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी मेरठ एवं काउन्सिल फॉर एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मनेजमेंट (सी ई ए एम) भारत के संयुक्त तत्वावधान में फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स टू एजुकेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन ग्लोबल सिनेरियो विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस के उद्घाटन अवसर पर गुरुवार को प्रदान किया गया। विदित है कि प्रो. सिंह शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के शैक्षणिक उत्थान के लिए कई वर्षों से कार्य कर रही हैं। विगत दो वर्षों से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति पद पर कार्य करते हुए प्रोफेसर सिंह

ने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। नवाचारी व्यवहार तथा शोध एवं विकास के क्षेत्र में प्रोफेसर सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय को देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों की पंक्ति में खड़ा करने में सफलता हासिल की है। प्रोफेसर सिंह के प्रयासों से ही मुक्त विश्वविद्यालय में रेगुलर मोड में शोध कार्य प्रारंभ हो सका। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रो.सिंह को मिले इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने हर्ष व्यक्त किया है।

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

29 अप्रैल, 2023

मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र द्वारा वर्तमान परिवेश में दूरस्थ शिक्षा विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

दीप प्रज्ज्वलित कर संगोष्ठी का शुभारम्भ करती हुई उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी एवं अन्य अतिथिगण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के नए अध्ययन केंद्र नवयुग कन्या महाविद्यालय राजेंद्र नगर लखनऊ के शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 29 अप्रैल 2023 को पूर्वाहन 11:00 बजे वर्तमान परिवेश में दूरस्थ शिक्षा विषय पर महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी एवं विशिष्ट वक्ता डॉ0 किरण लता डंगवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ रहीं।

संगोष्ठी प्रारंभ होने के पूर्व नवयुग कन्या महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के अध्ययन केंद्र का उद्घाटन माननीया कुलपति प्रोफेसर प्रोफेसर सीमा सिंह के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक डॉ0 निरांजलि सिन्हा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ0 अलका वर्मा, महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय अध्ययन केंद्र की समन्वयक श्रीमती ऐश्वर्या सिंह, शिक्षा शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती सुनीता सिंह व श्रीमती नीलम यादव तथा महाविद्यालय की सभी शिक्षिकाएं, छात्राएं एवं समस्त कर्मचारी गण उपस्थित थे।

माँ सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी तथा विशिष्ट वक्ता शिक्षा विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ किरण लता डंगवाल जी को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत एवं सम्ममन करती हुई महाविद्यालय की शिक्षिकायें

दूरस्थ शिक्षा जीवन पर्यंत शिक्षा हेतु महत्वपूर्ण कड़ी है : डॉ किरण लता डंगवाल

डॉ किरण लता डंगवाल

विशिष्ट वक्ता डॉ किरण लता डंगवाल ने अपने उद्बोधन में दूरस्थ शिक्षा इतिहास के विषय में जानकारी दी तथा बताया किस प्रकार दूरस्थ शिक्षा वर्तमान समय में हर व्यक्ति की पहुंच तक शामिल हो रहा है। उन्होंने बताया कि किस प्रकार आईसीटी का प्रयोग दूरस्थ शिक्षा के संदर्भ में किया जा सकता है। दूरस्थ शिक्षा जीवन पर्यंत शिक्षा हेतु महत्वपूर्ण कड़ी है डॉक्टर डंगवाल ने अन्य तकनीकों जैसे मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज, टू साइड ईमेल, इत्यादि के विषय में जानकारी दी।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने अपने वक्तव्य में कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। प्राचार्या ने कहां की वह अपने सभी छात्राओं को मुक्त विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रेरित करेंगी। प्राचार्या ने मुख्य वक्ता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह विशिष्ट वक्ता डॉ किरण लता डंगवाल टंडन के अध्ययन केंद्र के समन्वयक श्रीमती ऐश्वर्या सिंह एवं शिक्षा शास्त्र विभाग तथा महाविद्यालय की सभी शिक्षिकाओं कर्मचारियों छात्राओं को धन्यवाद दिया।

अपने विचार व्यक्त करती हुई महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय

सास्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती हुई महाविद्यालय की छात्रा

हर किसी तक दूरस्थ शिक्षा ने शिक्षा को सुलभ तरीके से पहुंचाया है : प्रोफेसर सीमा सिंह

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने अपने उद्बोधन में दूरस्थ शिक्षा के विभिन्न आयामों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोरोना काल में जब सारे विश्वविद्यालय बंद थे तब मुक्त विश्वविद्यालय बहुत अच्छे से कार्य कर रहा था। मुक्त शिक्षा वहां भी पहुंच सकता है जहां पर सामान्य शिक्षा नहीं पहुंच सकता। कहीं पहाड़ पर बैठा हुआ व्यक्ति कहीं समुद्र के किनारे बैठा हुआ व्यक्ति तथा किसी ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाली महिला हर किसी तक दूरस्थ शिक्षा ने शिक्षा को सुलभ तरीके से पहुंचाया है। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि वर्तमान में यूजीसी ने भी मुक्त विश्वविद्यालय के सभी कोर्स को अपनी मान्यता दे दी है तथा यह भी मान्यता दिया कि अब छात्र एक साथ 2 डिग्री एवं डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय में अब ज्योतिष एवं कर्मकांड के कोर्स का संचालन भी किया जा रहा है। हर कोई इससे लाभान्वित हो सकता है।

नवयुग में खुला राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन केंद्र

फीता काटकर नवयुग कन्या महाविद्यालय राजेंद्र नगर लखनऊ में स्थापित विश्वविद्यालय के नये अध्ययन केन्द्र का उद्घाटन करती हुई उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी तथा साथ में विशिष्ट वक्ता शिक्षा विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ किरण लता डंगवाल जी एवं महाविद्यालय की शिक्षिकायें

इस अवसर पर बीएसएनवी पीजी कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मंजुल त्रिवेदी विद्यान्त हिंदू पीजी कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ जितेंद्र कुमार पाल लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग के शोधार्थी तथा नवयुग कन्या महाविद्यालय की समस्त शिक्षिकाएं एवं छात्राएं उपस्थित रही। अंत में सभी अतिथियों का औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती सुनीता सिंह के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन श्रीमती ऐश्वर्या सिंह के द्वारा तथा अतिथियों का व्यक्तित्व परिचय श्रीमती नीलम यादव के द्वारा किया गया।

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई नवयुग कन्या महाविद्यालय राजेंद्र नगर लखनऊ अध्ययन केन्द्र की समन्वयक डॉ0 ऐश्वर्या सिंह

कार्यक्रम की कुछ अन्य झलकियां

धन्यवाद ज्ञापन करती हुई शिक्षा शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती सुनीता सिंह

पायनियर
लखनऊ, रविवार, 30 अप्रैल, 2023

अध्ययन केंद्र खुलने से छात्राओं को मिलेंगे शिक्षा के अवसरः प्रो सीमा

संवाददाता। प्रयागराज

नवयुग कन्या महाविद्यालय में शनिवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन केंद्र खोला गया। जिसका उद्घाटन कुलपति प्रो सीमा सिंह ने किया। इस मौके पर शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा वर्तमान परिदृश्य में दूरस्थ शिक्षा विषय पर आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता कुलपति प्रो सीमा सिंह ने कहा कि कन्या महाविद्यालय में मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन केंद्र खुलने से महिला शिक्षा को और अधिक बढ़ावा मिल सकेगा, साथ ही शिक्षा के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने कहा मुक्त शिक्षा वहां भी पहुंच सकती है जहां पर सामान्य शिक्षा नहीं पहुंच सकती। वर्तमान में यूजीसी ने मुक्त विश्वविद्यालय के सभी कोर्स को अपनी मान्यता दी है। मुक्त विश्वविद्यालय में अब ज्योतिष एवं कर्मकांड के कोर्स का संचालन भी किया जा रहा है। विशिष्ट वक्ता एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय डॉ किरण लता डंगवाल ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा वर्तमान समय में हर व्यक्ति की पहुंच तक शामिल हो रही है। वर्तमान समय में आईसीटी का प्रयोग दूरस्थ शिक्षा के संदर्भ में किया जा रहा है। डॉ डंगवाल ने मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज, टू साइड ईमेल के बारे में बताया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो मंजुला उपाध्याय ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। प्राचार्या प्रो मंजुला ने प्रो सीमा सिंह, डॉ किरण लता डंगवाल का स्वागत किया। इस अवसर पर लखनऊ की क्षेत्रीय निदेशक डॉ निरांजलि सिन्हा, बीएसएनवी पीजी कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मंजुल त्रिवेदी, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ जितेंद्र कुमार पाल, समन्वयक ऐश्वर्या सिंह, विभागाध्यक्ष सुनीता सिंह, नीलम यादव आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन ऐश्वर्या सिंह ने किया। अतिथियों का परिचय नीलम यादव ने कराया। धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष सुनीता सिंह ने किया।

वर्ष : 29 | अंक : 178
प्रयागराज | रविवार, 30 अप्रैल-2023
पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपये
दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

अध्ययन केंद्र खुलने से छात्राओं को मिलेंगे शिक्षा के अवसरः प्रो0 सीमा सिंह

प्रयागराज। नवयुग कन्या महाविद्यालय में शनिवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के अध्ययन केंद्र का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर प्रोफेसर सीमा सिंह के कर कमलों द्वारा किया गया।इसके पश्चात शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा +वर्तमान परिदृश्य में दूरस्थ शिक्षा+ विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने अपने उद्बोधन में दूरस्थ शिक्षा के विभिन्न आयामों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जब सारे विश्वविद्यालय बंद थे तब मुक्त विश्वविद्यालय बहुत अच्छे से कार्य कर रहा था। मुक्त शिक्षा वहां भी पहुंच सकती है जहां पर सामान्य शिक्षा नहीं पहुंच सकती। कहीं पहाड़ पर बैठा हुआ युवक, कहीं समुद्र के किनारे बैठा हुआ व्यक्ति तथा किसी ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाली महिला हर किसी तक दूरस्थ शिक्षा ने शिक्षा को सुलभ तरीके से पहुंचाया है। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि वर्तमान में यूजीसी ने भी मुक्त विश्वविद्यालय के सभी कोर्स को अपनी मान्यता दे दी है तथा यह भी मान्यता दिया कि अब छात्र एक साथ 2 डिग्री एवं डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं।विशिष्ट वक्ता डॉ किरण लता डंगवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ने अपने उद्बोधन में दूरस्थ शिक्षा इतिहास के विषय में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा वर्तमान समय में हर व्यक्ति की पहुंच तक शामिल हो रही है। वर्तमान समय में आईसीटी का प्रयोग दूरस्थ शिक्षा के संदर्भ में किया जा रहा है। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने अपने वक्तव्य में कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय लखनऊ की क्षेत्रीय निदेशक डॉ निरांजलि सिन्हा, बीएसएनवी पीजी कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मंजुल त्रिवेदी, विद्यान्य हिंदू पीजी कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ जितेंद्र कुमार पाल, अध्ययन केंद्र की समन्वयक श्रीमती ऐश्वर्या सिंह, शिक्षा शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती सुनीता सिंह व श्रीमती नीलम यादव तथा महाविद्यालय की सभी शिक्षिकाएं, छात्राएं एवं समस्त कर्मचारी गण उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक वॉइस ऑफ इलाहाबाद
खबर वही जो सच हो...
R.N.I No. UPHIN/2014/59094
प्रयागराज
www.voiceofallahabad.com

मुक्त विवि में अब ज्योतिष एवं कर्मकांड के कोर्स का संचालन

कन्या महाविद्यालय में अध्ययन केंद्र खुलने से महिला शिक्षा को बढ़ावाः प्रो.सीमा

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

प्रयागराज। नवयुग कन्या महाविद्यालय में शनिवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र का उद्घाटन कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि इस महाविद्यालय में मुक्त विवि का अध्ययन केंद्र खुलने से महिला शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

उद्घाटन के उपरान्त 'वर्तमान परिदृश्य में दूरस्थ शिक्षा' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें कुलपति ने दूरस्थ शिक्षा के विभिन्न आयामों की जानकारी दी। कहा कि मुक्त शिक्षा वहां भी पहुंच सकती है जहां पर सामान्य शिक्षा नहीं पहुंच सकती। कहीं पहाड़ पर बैठा हुआ युवक, कहीं समुद्र के किनारे बैठा हुआ व्यक्ति तथा किसी ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाली महिला हर किसी तक दूरस्थ शिक्षा ने शिक्षा को सुलभ तरीके से पहुंचाया है। कुलपति ने बताया कि वर्तमान में यूजीसी ने भी मुक्त विश्वविद्यालय के सभी कोर्स को अपनी मान्यता दे दी है तथा यह भी मान्यता दिया कि अब छात्र एक साथ दो डिग्री एवं डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मुक्त विवि में अब ज्योतिष एवं कर्मकांड के कोर्स का संचालन भी किया जा रहा है। हर कोई इससे लाभान्वित हो सकता है।

विशिष्ट वक्ता डॉ किरण लता डंगवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा वर्तमान समय में हर व्यक्ति की पहुंच तक शामिल हो रही है। वर्तमान समय में आईसीटी का प्रयोग दूरस्थ शिक्षा के संदर्भ में किया जा रहा है। दूरस्थ शिक्षा जीवन पर्यंत शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण कड़ी है।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो मंजुला उपाध्याय ने कहा कि मुक्त विवि शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। वह अपने सभी छात्राओं को मुक्त विवि से शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रेरित करेंगी। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि लखनऊ की क्षेत्रीय निदेशक डॉ निरांजलि सिन्हा, बीएसएनवी पीजी कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मंजुल त्रिवेदी, विद्यालय हिंदू पीजी कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ जितेंद्र कुमार पाल, अध्ययन केंद्र की समन्वयक ऐश्वर्या सिंह, शिक्षा शास्त्र की विभागाध्यक्ष सुनीता सिंह व नीलम यादव तथा महाविद्यालय की सभी शिक्षिकाएं, छात्राएं एवं समस्त कर्मचारीगण उपस्थित थे।

संचालन एवं संयोजन ऐश्वर्या सिंह तथा अतिथियों का परिचय नीलम यादव तथा धन्यवाद ज्ञापन सुनीता सिंह ने किया।

RNI TITLE CODE:UPHIN50352
हिन्दी दैनिक - प्रातःसंस्करण
E-mail: pawanprayag22
वर्ष : 01, अंकः 126
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 4
प्रयागराज
रविवार
30 अप्रैल, 2023
पावन प्रयाग

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र का हुआ उद्घाटन

कन्या महाविद्यालय में अध्ययन केंद्र खुलने से छात्राओं को मिलेंगे शिक्षा के अवसर-प्रो0 सीमा

पावन प्रयाग संवाददाता

प्रयागराज। नवयुग कन्या महाविद्यालय में शनिवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के अध्ययन केंद्र का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर प्रोफेसर सीमा सिंह के कर कमलों द्वारा किया गया।

इसके पश्चात शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा 'वर्तमान परिदृश्य में दूरस्थ शिक्षा' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने अपने उद्बोधन में दूरस्थ शिक्षा के विभिन्न आयामों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जब सारे विश्वविद्यालय बंद थे तब मुक्त विश्वविद्यालय बहुत अच्छे से कार्य कर रहा था। मुक्त शिक्षा वहां भी पहुंच सकती है जहां पर सामान्य शिक्षा नहीं पहुंच सकती। कहीं पहाड़ पर बैठा हुआ युवक, कहीं समुद्र के किनारे बैठा हुआ व्यक्ति तथा किसी ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाली महिला हर किसी तक दूरस्थ शिक्षा ने शिक्षा को सुलभ तरीके से पहुंचाया है। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि वर्तमान में यूजीसी ने भी मुक्त विश्वविद्यालय के सभी कोर्स को अपनी मान्यता दे दी है तथा यह भी मान्यता दिया कि अब छात्र एक साथ 2 डिग्री एवं डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय में अब ज्योतिष एवं कर्मकांड के कोर्स का संचालन भी किया जा रहा है। हर कोई इससे लाभान्वित हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस महाविद्यालय में मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन केंद्र खुलने से महिला शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा।विशिष्ट वक्ता डॉ किरण लता डंगवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ने अपने उद्बोधन में दूरस्थ शिक्षा इतिहास के विषय में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा वर्तमान समय में हर व्यक्ति की पहुंच तक शामिल हो रही है। वर्तमान समय में आईसीटी का प्रयोग दूरस्थ शिक्षा के संदर्भ में किया जा रहा है। दूरस्थ शिक्षा जीवन पर्यंत शिक्षा हेतु महत्वपूर्ण कड़ी है। डॉ डंगवाल ने अन्य तकनीकों जैसे मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज, टू साइड ईमेल, इत्यादि के विषय में जानकारी दी। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने अपने वक्तव्य में कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। प्राचार्या ने कहा कि वह अपने सभी छात्राओं को मुक्त विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रेरित करेंगी। प्राचार्या ने मुख्य वक्ता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, विशिष्ट वक्ता डॉ किरण लता डंगवाल अध्ययन केंद्र की समन्वयक श्रीमती ऐश्वर्या सिंह एवं शिक्षा शास्त्र विभाग तथा महाविद्यालय की सभी शिक्षिकाओं, कर्मचारियों, छात्राओं को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय लखनऊ की क्षेत्रीय निदेशक डॉ निरांजलि सिन्हा, बीएसएनवी पीजी कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मंजुल त्रिवेदी, विद्यान्य हिंदू पीजी कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ जितेंद्र कुमार पाल, अध्ययन केंद्र की समन्वयक श्रीमती ऐश्वर्या सिंह, शिक्षा शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती सुनीता सिंह व श्रीमती नीलम यादव तथा महाविद्यालय की सभी शिक्षिकाएं, छात्राएं एवं समस्त कर्मचारी गण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन श्रीमती ऐश्वर्या सिंह के द्वारा तथा अतिथियों का व्यक्तित्व परिचय श्रीमती नीलम यादव के द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती सुनीता सिंह के द्वारा किया गया।

रीडर्स मैसेंजर
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन के लिए मान्यता प्राप्त
R.N.I. No. : UPHIN/2016/68960
www.readersmessenger.com
readersmessenger@gmail.com
वर्ष 07 अंक 275
लखनऊ,रविवार, 30 अप्रैल, 2023
पृष्ठ - 08
खबरों का दर्पण राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
प्रातःकालीन हिन्दी दैनिक समाचार पत्र (लखनऊ संस्करण)

कन्या महाविद्यालय में अध्ययन केंद्र खुलने से छात्राओं को मिलेंगे शिक्षा के अवसर : प्रोफेसर सीमा सिंह

रीडर्स मैसेंजर नेटवर्क

प्रयागराज। नवयुग कन्या महाविद्यालय में शनिवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के अध्ययन केंद्र का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर प्रोफेसर सीमा सिंह के कर कमलों द्वारा किया गया। इसके पश्चात शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा वर्तमान परिदृश्य में दूरस्थ शिक्षा विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने अपने उद्बोधन में दूरस्थ शिक्षा के विभिन्न आयामों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जब सारे विश्वविद्यालय बंद थे तब मुक्त विश्वविद्यालय बहुत अच्छे से कार्य कर रहा था। मुक्त शिक्षा वहां भी पहुंच सकती है जहां पर सामान्य शिक्षा नहीं पहुंच सकती। कहीं पहाड़ पर बैठा हुआ युवक, कहीं समुद्र के किनारे बैठा हुआ व्यक्ति तथा किसी ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाली महिला हर किसी तक दूरस्थ शिक्षा ने शिक्षा को सुलभ तरीके से पहुंचाया है। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि वर्तमान में यूजीसी ने भी मुक्त विश्वविद्यालय के सभी कोर्स को अपनी मान्यता दे दी है तथा यह भी मान्यता दिया कि अब छात्र एक साथ 2 डिग्री एवं डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय में अब ज्योतिष एवं कर्मकांड के कोर्स का संचालन भी किया जा रहा है। हर कोई इससे लाभान्वित हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस महाविद्यालय में मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन केंद्र खुलने से महिला शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। विशिष्ट वक्ता डॉ किरण लता डंगवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ने अपने उद्बोधन में दूरस्थ शिक्षा इतिहास के विषय में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा वर्तमान समय में हर व्यक्ति की पहुंच तक शामिल हो रही है। वर्तमान समय में आईसीटी का प्रयोग दूरस्थ शिक्षा के संदर्भ में किया जा रहा है। दूरस्थ शिक्षा जीवन पर्यंत शिक्षा हेतु महत्वपूर्ण कड़ी है।

आनंदी मेल
लखनऊ, रविवार, 30 अप्रैल, 2023

अध्ययन केंद्र से छात्राओं को मिलेंगे शिक्षा के अवसर : कुलपति

मुक्त शिक्षा वहां भी पहुंच सकती है जहां पर सामान्य शिक्षा नहीं पहुंच सकती : प्रो.सीमा सिंह

समय से पहले 'समय' पर नजर
न्यायाधीश
प्रयागराज,रविवार 30 अप्रैल, 2023

कन्या महाविद्यालय में अध्ययन केंद्र खुलने से छात्राओं को मिलेंगे शिक्षा के अवसर- प्रोफेसर सीमा सिंह

प्रयागराज।नवयुग कन्या महाविद्यालय में शनिवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के अध्ययन केंद्र का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर प्रोफेसर सीमा सिंह के कर कमलों द्वारा किया गया।

इसके पश्चात शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा 'वर्तमान परिदृश्य में दूरस्थ शिक्षा' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने अपने उद्बोधन में दूरस्थ शिक्षा के विभिन्न आयामों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जब सारे विश्वविद्यालय बंद थे तब मुक्त विश्वविद्यालय बहुत अच्छे से कार्य कर रहा था। मुक्त शिक्षा वहां भी पहुंच सकती है जहां पर सामान्य शिक्षा नहीं पहुंच सकती। कहीं पहाड़ पर बैठा हुआ युवक, कहीं समुद्र के किनारे बैठा हुआ व्यक्ति तथा किसी ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाली महिला हर किसी तक दूरस्थ शिक्षा ने शिक्षा को सुलभ तरीके से पहुंचाया है। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि वर्तमान में यूजीसी ने भी मुक्त विश्वविद्यालय के सभी कोर्स को अपनी मान्यता दे दी है तथा यह भी मान्यता दिया कि अब छात्र एक साथ 2 डिग्री एवं डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय में अब ज्योतिष एवं कर्मकांड के कोर्स का संचालन भी किया जा रहा है। हर कोई इससे लाभान्वित हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस महाविद्यालय में मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन केंद्र खुलने से महिला शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

विशिष्ट वक्ता डॉ किरण लता डंगवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ने अपने उद्बोधन में दूरस्थ शिक्षा इतिहास के विषय में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा वर्तमान समय में हर व्यक्ति की पहुंच तक शामिल हो रही है। वर्तमान समय में आईसीटी का प्रयोग दूरस्थ शिक्षा के संदर्भ में किया जा रहा है। दूरस्थ शिक्षा जीवन पर्यंत शिक्षा हेतु महत्वपूर्ण कड़ी है। डॉ डंगवाल ने अन्य तकनीकों जैसे मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज, टू साइड ईमेल, इत्यादि के विषय में जानकारी दी।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने अपने वक्तव्य में कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। प्राचार्या ने कहा कि वह अपने सभी छात्राओं को मुक्त विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रेरित करेंगी।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
हरबात
RNI No.-UPHIN/2020/82181
प्रयागराज एवं फतेहपुर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष : 03 अंक : 143 प्रयागराज, रविवार, 30 अप्रैल, 2023, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र का हुआ उद्घाटन :

कन्या महाविद्यालय में अध्ययन केंद्र खुलने से छात्राओं को मिलेंगे शिक्षा के अवसर-प्रो0 सीमा

रविवारीय
स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी
लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित
स्वतंत्र भारत
लखनऊ, रविवार, 30 अप्रैल, 2023
epaper : epaper.swatantrabharat.net web portal : swatantrabharat.net

'कन्या महाविद्यालय में अध्ययन केंद्र खुलने से छात्राओं को मिलेंगे शिक्षा के अवसर'

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। नवयुग कन्या महाविद्यालय में शनिवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर प्रोफेसर सीमा सिंह के कर कमलो द्वारा किया गया। इसके पश्चात शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा वर्तमान परिदृश्य में दूरस्थ शिक्षा विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने अपने उद्बोधन में दूरस्थ शिक्षा के विभिन्न आयामों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जब सारे विश्वविद्यालय बंद थे तब मुक्त विश्वविद्यालय बहुत अच्छे से कार्य कर रहा था। मुक्त शिक्षा वहां भी पहुंच सकती है जहां पर सामान्य शिक्षा नहीं पहुंच सकती। कही पहाड़ पर बैठा हुआ युवक, कही समुद्र के किनारे बैठा हुआ व्यक्ति

तथा किसी ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाली महिला हर किसी तक दूरस्थ शिक्षा ने शिक्षा को सुलभ तरीके से पहुंचाया है। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि वर्तमान में यूजीसी ने भी मुक्त विश्वविद्यालय के सभी कोर्स को अपनी मान्यता दे दी है तथा यह भी मान्यता दिया कि अब छात्र एक साथ 2 डिग्री एवं डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय में अब ज्योतिष एवं कर्मकांड के कोर्स का संचालन भी किया जा रहा है। हर कोई इससे लाभान्वित हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस महाविद्यालय में मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन केंद्र खुलने से महिला शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने अपने वक्तव्य में कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र मे नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। प्राचार्या ने कहां कि वह अपने सभी छात्राओ को मुक्त विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रेरित करेंगी। प्राचार्या ने मुख्य वक्ता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, विशिष्ट वक्ता डॉ किरण लता डंगवाल अध्ययन केंद्र की समन्वयक श्रीमती ऐश्वर्या सिंह एवं शिक्षा शास्त्र विभाग तथा महाविद्यालय की सभी शिक्षिकाओं, कर्मचारियों, छात्राओं को धन्यवाद दिया।

दैनिक जागरण

कुलपति ने लखनऊ में किया अध्ययन केंद्र का शुभारंभ

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के लखनऊ स्थित अध्ययन केंद्र नवयुग कन्या महाविद्यालय में खोला गया है। शनिवार को कुलपति प्रो. सीमा सिंह के इसका उद्घाटन किया। इस दौरान वर्तमान परिदृश्य में दूरस्थ शिक्षा विषय पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता कुलपति सीमा सिंह ने कहा कि कोरोना काल में जब सारे विश्वविद्यालय बंद थे तब मुक्त विश्वविद्यालय बहुत अच्छे से कार्य कर रहा था। कुलपति ने बताया कि यूजीसी ने भी मुक्त विश्वविद्यालय के सभी कोर्स को अपनी मान्यता दे दी है।

अमृत विचार

राजधानी में दूरस्थ शिक्षा का बढ़ा एक और केन्द्र

नवयुग कन्या महाविद्यालय में केन्द्र का उद्घाटन करतीं कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह।

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: राजधानी के नवयुग कन्या महाविद्यालय में शनिवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का नया अध्ययन केंद्र स्थापित किया गया। इस केन्द्र का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने किया। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि वर्तमान में यूजीसी ने भी मुक्त विश्वविद्यालय के सभी कोर्स को अपनी मान्यता दे दी है तथा यह भी मान्यता दिया कि अब छात्र एक साथ 2 डिग्री एवं डिप्लोमा कोर्स कर सकते है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय में अब ज्योतिष एवं कर्मकांड के कोर्स का संचालन भी किया जा रहा है। हर कोई इससे लाभान्वित हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस महाविद्यालय में मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन केंद्र खुलने से महिला शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। प्रोफेसर सिंह ने कहा कोरोना काल में जब सारे विश्वविद्यालय बंद थे तब मुक्त विश्वविद्यालय बहुत अच्छे से कार्य कर रहा था। मुक्त शिक्षा वहां भी पहुंच सकती है जहां पर सामान्य शिक्षा नहीं पहुंच सकती।

RNI/TITLE-CODE UPHIN/50789
सबसे तेज प्रयागराज
सब पर नजर, सटीक खबर
hpshukla50@gmail.com

कन्या महाविद्यालय में अध्ययन केंद्र खुलने से छात्राओं को मिलेंगे शिक्षा के अवसर- प्रोफेसर सीमा सिंह

मुख्य संवाददाता
सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। नवयुग कन्या महाविद्यालय में शनिवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के अध्ययन केंद्र का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर प्रोफेसर सीमा सिंह के कर कमलों द्वारा किया गया। इसके पश्चात शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा "वर्तमान परिदृश्य में दूरस्थ शिक्षा" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने अपने उद्बोधन में दूरस्थ शिक्षा के विभिन्न आयामों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जब सारे विश्वविद्यालय बंद थे तब मुक्त विश्वविद्यालय बहुत अच्छे से कार्य कर रहा था। मुक्त शिक्षा वहां भी पहुंच सकती है जहां पर सामान्य शिक्षा नहीं पहुंच सकती। कहीं पहाड़ पर बैठा हुआ युवक, कहीं समुद्र के किनारे बैठा हुआ व्यक्ति तथा किसी ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाली महिला हर किसी तक दूरस्थ शिक्षा ने शिक्षा को सुलभ तरीके से पहुंचाया है। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि वर्तमान में यूजीसी ने भी मुक्त विश्वविद्यालय के सभी कोर्स को अपनी मान्यता दे दी है तथा यह भी मान्यता दिया कि अब छात्र एक साथ 2 डिग्री एवं डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय में अब ज्योतिष एवं कर्मकांड के कोर्स का संचालन भी किया जा रहा है। हर कोई इससे लाभान्वित हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस महाविद्यालय में मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन केंद्र खुलने से महिला शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। विशिष्ट वक्ता डॉ किरण लता डंगवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ने अपने उद्बोधन में दूरस्थ शिक्षा इतिहास के विषय में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा वर्तमान समय में हर व्यक्ति की पहुंच तक शामिल हो रही है। वर्तमान समय में आईसीटी का प्रयोग दूरस्थ शिक्षा के संदर्भ में किया जा रहा है। दूरस्थ शिक्षा जीवन पर्यंत शिक्षा हेतु महत्वपूर्ण कड़ी है। डॉ डंगवाल ने अन्य तकनीकों जैसे मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज, टू साइड ईमेल, इत्यादि के विषय में जानकारी दी।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने अपने वक्तव्य में कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। प्राचार्या ने कहां कि वह अपने सभी छात्राओं को मुक्त विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रेरित करेंगी। प्राचार्या ने मुख्य वक्ता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, विशिष्ट वक्ता डॉ किरण लता डंगवाल अध्ययन केंद्र की समन्वयक श्रीमती ऐश्वर्या सिंह एवं शिक्षा शास्त्र विभाग तथा महाविद्यालय की सभी शिक्षिकाओं, कर्मचारियों, छात्राओं को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय लखनऊ की क्षेत्रीय निदेशक डॉ निरांजलि सिन्हा, बीएसएनवी पीजी कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मंजुल त्रिवेदी, विद्यान्य हिंदू पीजी कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ जितेंद्र कुमार पाल, अध्ययन केंद्र की समन्वयक श्रीमती ऐश्वर्या सिंह, शिक्षा शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती सुनीता सिंह व श्रीमती नीलम यादव तथा महाविद्यालय की सभी शिक्षिकाएं, छात्राएं एवं समस्त कर्मचारी गण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन श्रीमती ऐश्वर्या सिंह के द्वारा तथा अतिथियों का व्यक्तित्व परिचय श्रीमती नीलम यादव के द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती सुनीता सिंह के द्वारा किया गया